▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 227 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 15-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

सत्यमेव जयते
Government of India

तमिलनाडु में किसानों का कल्याण सुनिश्चित

पीएम किसान योजना के तहत ₹12,700+ करोड़ की आर्थिक सहायता से 47 लाख किसानों को लाभ

पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत ₹1400+ करोड़ से मत्स्य पालन को बढ़ावा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3.8+ करोड़ दावों के लिए
₹15,000+ करोड़ की राशि किसानों को वितरित, किसानों को मिल रही आर्थिक सुरक्षा

कृषि अवसंरचना कोष के माध्यम से लगभग ₹6,000 करोड़ से भंडारण और बाजार कनेक्टिविटी को बढ़ावा

1.5+ करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को बेहतर उत्पादकता में मिल रही मदद।

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत तमिलनाडु में लगभग 13 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो-इरिगेशन को बढ़ावा

विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु
मोदी सरकार का संकल्प

"हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।"

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

CBC 01101/13/0039/2526

पंजाब में 2027 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी भाजपा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोगा (पंजाब)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि भाजपा 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में अपनी सरकार बनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह के इस बयान के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ भाजपा के फिर से गठबंधन की अटकलों पर विराम लग गया है।

शाह ने बदलाव रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने एक तरह से अपनी चुनावी मुहिम आज मोग़ा से शुरू की है। उन्होंने

पंजाब के लोगों से कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करने आया हूं कि हमें अपना आशीर्वाद दें।

भाजपा पहले अकाली दल के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में पंजाब सरकार का हिस्सा रही है। शाह ने बिना किसी पार्टी का नाम लिए कहा, जब भी हम आपके सामने आए, हम छोटे भाई के रूप में आए। हम अकेले सरकार नहीं बना सकते थे। शाह ने कहा, मगर आज मैं कह कर जा रहा हूं कि 2027 के चुनाव में, भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ेगी। किली चाहलान गांव में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब ने कांग्रेस, अकाली दल और 'आप' को कई मौके दिए हैं और अब भाजपा को मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम पंजाब में बदलाव लाएंगे।

शाह ने बताया कि 2024 में भाजपा को 19 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कहा, हमारा ट्रैक रिकॉर्ड यह है कि जहां भाजपा को 19 प्रतिशत वोट मिलते हैं, वहां अगली सरकार भाजपा की होती है। यह ओडिशा, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में हुआ, और अब पंजाब की बारी है।

गृह मंत्री ने याद दिलाया कि शिरोमणि अकाली दल ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा के साथ 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल भाजपा के दो विधायक हैं।

अकाली दल और भाजपा पहले गठबंधन के तहत साथ चुनाव लड़ते थे। उनके चुनावी समझौते के तहत भाजपा 23 जबकि शिअद 94 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ती थी। संसदीय चुनावों में शिअद 10 और भाजपा तीन सीटों पर चुनाव लड़ती थी। शिअद-भाजपा गठबंधन ने राज्य में 1997 से 2002, 2007 से 2012, और 2012 से 2017 तक तीन बार सरकार बनाई।

29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है। साथ ही, रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी और औचक निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद घबराहट में बुकिंग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और घरेलू रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं, जिससे देश भर में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। शर्मा ने कहा, ''किसी भी खुदरा बिक्री केंद्र से भंडार खत्म होने की खबर नहीं है। हम घरेलू स्तर पर अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पेट्रोल-डीजल का उत्पादन करते हैं और हमें आयात की आवश्यकता नहीं है।'' अधिकारी ने बताया कि खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बावजूद सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो खाड़ी देशों से ऊर्जा के परिवहन का सामान्य मार्ग है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने शुरू की गौधाम योजना, राज्य में बनेंगे 1460 गौधाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को 'गौधाम योजना' की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य में 1,460 गौधाम बनाये जाएंगे । अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि साय ने बिलासपुर जिले में तखतपुर विकासखंड के लाखासर गांव में गौधाम का दौरा किया, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से इस योजना को शुरू करने की घोषणा की।

बाद में उन्होंने यहां गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 11 जिलों में 29 गौधामों (जिनमें लाखासर भी शामिल है) का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया। लाखासर में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए साय ने कहा, ''आज बहुत सौभाग्य का दिन है कि लाखासार की पावन भूमि से गौधाम योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। गोधन हमारी ग्रामीण संस्कृति, कृषि व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार गोधन संरक्षण और बेसहारा मवेशियों की देखभाल के लिए गौधाम योजना को राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है।'' मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब राज्य के सभी गौधाम सुरभि गौधाम कहलाएंगे।'' उन्होंने कहा कि गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, इससे गौसेवा के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साय ने इस अवसर पर लाखासार क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने लाखासार में महतारी सदन, मिनी स्टेडियम तथा 500 मीटर लंबाई के गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने लाखासार गौधाम में प्रशिक्षण भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए स्वीकृत करने तथा एक 'काऊ कैचर' और एक पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की भी घोषणा की।

एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए। जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं, और इनके 16-17 मार्च को भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है। ये दोनों पोत उन 24 जहाजों में शामिल थे, जो क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी किनारे पर फंसे हुए थे।

वकील की प्रतिभा व न्यायाधीश की नैतिक जिम्मेदारी का स्थान नहीं ले सकता एआई : न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर कृत्रिम मेधा (एआई) समय बचा सकती है और कानूनी कार्य के कुछ पहलुओं को अधिक प्रबंधनीय बना सकती है, लेकिन यह एक वकील की प्रतिभा, न्यायिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकती।

न्यायामूर्ति विक्रम नाथ ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने उच्चतम न्यायालय में भी कृत्रिम मेधा से उत्पन्न सामग्री के लापरवाहीपूर्वक उपयोग के मामलों पर चिंता व्यक्त जताई, जिनमें ऐसे उद्धरणों और संदर्भों का उल्लेख शामिल है जो अस्तित्व में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि झूठे उद्धरण केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं हैं, वे कानूनी दलीलों की शुचिता और स्वयं न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रहार करते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, ''लेकिन एक उपकरण को उपकरण ही रहना चाहिए। यह एक वकील के प्रशिक्षित दिमाग, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकता।'' उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही, एआई के दुरुपयोग से हमें इसके विपरीत चरम सीमा तक नहीं पहुंचना चाहिए, जहां हम इससे पूरी तरह से संबंध तोड़ लें। इसका समाधान है जानकारीपूर्ण उपयोग, नैतिक अनुशासन और पेशेवर मानक। हमें इन उपकरणों का कुशलतापूर्वक, सावधानीपूर्वक और इनकी सीमाओं के प्रति पूर्ण जागरूकता के साथ उपयोग करना सीखना होगा।'' न्यायमूर्ति ने कहा कि इसलिए, चुनौतियां वास्तविक हैं क्योंकि प्रौद्योगिकी पहुंच को व्यापक बना सकती है, लेकिन यह अलगाव को भी गहरा कर सकती है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह पारदर्शिता बढ़ा सकती है, लेकिन यह विकृति को भी बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीकें और उपकरण कानूनी कार्यों में सहायता कर सकते हैं, लेकिन वे लापरवाही के नए रूप भी पैदा कर सकते हैं। ये अपराध से निपटने में मदद कर सकते हैं और साथ ही नए अपराधों को अंजाम देने का माध्यम भी बन सकते हैं। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा, ''यह हमारे युग का विरोधाभास है, लेकिन इस विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना हमारी संस्थाओं की जिम्मेदारी भी है। इसलिए हमारा दृष्टिकोण सैद्धांतिक अनुकूलन का होना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह नई है। हमें इसे अंधाधुंध स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह कारगर है।''

भारत ने कोच्चि में मौजूद ईरानी पोत के चालक दल के कुछ सदस्यों को स्वदेश भेजा

नई दिल्ली/भाषा। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच चार मार्च को कोच्चि पहुंचे एक ईरानी युद्धपोत के चालक दल के कुछ सदस्यों को भारत ने उनके देश वापस भेज दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पोत 'आइरिस लावन' के कोच्चि में होने के कारण उसके चालक दल के 183 सदस्यों में से 50 से अधिक सदस्य वहीं रुके हुए हैं। उन्होंने बताया कि गैर-आवश्यक कर्मी तुर्किये की एक विमानन कंपनी के विमान से भारत से रवाना हुए। यह विमान कल देर रात कोच्चि पहुंचा। विमान चार मार्च को श्रीलंका के तट के पास अमेरिका की एक पनडुब्बी द्वारा डुबोए गए एक अन्य युद्धपोत के 80 से अधिक ईरानी नाविकों के शव कोलंबो से लेकर यहां आया।

'आइरिस लावन' चार मार्च से कोच्चि में ही है। पोत में कोई तकनीकी दिक्कतें आने पर ईरानी पक्ष के अनुरोध के बाद एक मार्च को इसे आपातकालीन 'डॉकिंग' की मंजूरी दी गई। जानकारी मिली है कि 'आइरिस लावन' पर तैनात ईरानी कर्मी आर्मेनिया की राजधानी येरेवान से सड़क मार्ग के जरिये ईरान जाएंगे। चालक दल के सदस्यों को ऐसे समय में वापस भेजा गया है जब भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर इस समय मौजूद भारतीय ध्वज वाले 24 से अधिक वाणिज्यिक पोतों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है।

राजकोट में एम्स के प्रशिक्षु चिकित्सक ने आत्महत्या की, सुसाइड नोट में सहपाठियों पर आरोप लगाया

राजकोट (गुजरात)/भाषा। राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत 25 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। मौके से मिले एक सुसाइड नोट में दावा किया गया है कि सहपाठियों ने उस पर हमला किया था। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन 2) राकेश देसाई ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर निवासी रतनकुमार मेघवाल का शव शहर के पास घंटेस्वर और पारा पिपलिया के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला। अधिकारी ने बताया कि गांधीग्राम पुलिस को सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और मेघवाल का शव बरामद किया। देसाई ने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास से मेघवाल का लैपटॉप, मोबाइल फोन, मेडिकल फाइलें और पहचान पत्र बरामद हुए। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रशिक्षु चिकित्सक के पास से एक नोट मिला है जिसमें मेघवाल ने अपने सहपाठियों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि मेघवाल ने 27 जनवरी को भी उसी स्थान पर आत्महत्या का प्रयास किया था लेकिन तब पुलिस मौके पर पहुंची थी और उसे राजस्थान स्थित उसके घर भेज दिया था।

सरकार ने लगभग छह महीने बाद सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द की

वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले किया गया था गिरफ्तार, इन प्रदर्शनों के दौरान हो गई थी चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी। केंद्र सरकार ने कहा है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा था कि वह वांगचुक के भाषणों के वीडियो इस सप्ताह देखेगा और उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो की याचिका पर 17 मार्च को अंतिम सुनवाई करेगा।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर 2025 को वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। इन प्रदर्शनों में 22 पुलिसकर्मियों सहित 45 से अधिक लोग घायल हुए थे।

उन्हें लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर ''जनव्यवस्था बनाए रखने'' के लिए रासुका के तहत हिरासत में लिया गया और फिर जोधपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक संवाद को संभव बनाने के लिए लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उसने कहा, ''सरकार ने इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए और समुचित विचार-विमर्श के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उपलब्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है।''

बयान में कहा गया है कि वांगचुक पहले ही रासुका के तहत हिरासत की अवधि का लगभग आधा समय पूरा कर चुके हैं।

बयान के अनुसार, सरकार क्षेत्र के लोगों की चिंताओं का समाधान करने के उद्देश्य से लद्दाख में विभिन्न हितधारकों और सामुदायिक नेताओं के साथ सक्रिय रूप से संपर्क बनाए हुए है।

सरकार ने कहा कि हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों का मौजूदा माहौल समाज के शांतिप्रिय चरित्र के लिए हानिकारक रहा है और इससे विद्यार्थियों, नौकरी के अभ्यर्थियों, कारोबारियों, टूर ऑपरेटर एवं पर्यटकों सहित समुदाय के विभिन्न वर्गों तथा समूची अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

सरकार ने लद्दाख के लिए सभी जरूरी सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराने की अपनी ''प्रतिबद्धता'' दोहराते हुए उम्मीद जताई कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं के समाधान के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति और अन्य उपयुक्त मंचों सहित रचनात्मक सहभागिता और संवाद के जरिये क्षेत्र की समस्याओं का हल निकाला जाएगा।

वांगचुक ने दो दिन पहले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि लद्दाख के न्यायपूर्ण भविष्य के लिए ईमानदार बातचीत जरूरी होगी।

इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द करने के केंद्र के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनके खिलाफ इस कड़े कानून का इस्तेमाल किया ही नहीं जाना चाहिए था।

अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के लिए धैर्य बनाए रखना ही सबसे अच्छी रणनीति : सेबी चेयरमैन

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को निवेशकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और इसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति करार दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बाजारों में बिकवाली के दबाव के बीच पांडेय ने कहा कि कोरोना महामारी या रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी पिछली घटनाओं ने यह दिखाया है कि समय के साथ बाजार स्थिर हो जाते हैं।

सेबी के चेयरमैन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता बहाल करने के प्रयास जारी हैं, हालांकि दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी तनाव ने ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा की है। उन्होंने कहा, कई निवेशकों, खासकर खुदरा निवेशकों के लिए, ऐसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति धैर्य बनाए रखना है। भारतीय पूंजी बाजार नियामक के प्रमुख ने माना कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता हावी है, जो प्रौद्योगिकी बदलाव, एआई के अपनाने और भू-राजनीतिक तनावों के कारण उत्पन्न होती है। पांडेय ने पिछले अनुभव का हवाला देते हुए कहा, बाजारों में उतार-चढ़ाव आया ... लेकिन वे अंततः स्थिर हो गए। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता अपवाद नहीं बल्कि वित्तीय बाजारों की एक सामान्य विशेषता है। असली परीक्षा यह है कि एक प्रणाली चुनौतियों के बावजूद कितनी सुचारू, निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से काम कर सकती है।

नौकरी के झांसे में रूस गए युवक की युद्ध में मौत

लुधियाना/भाषा। पंजाब में लुधियाना के 21 वर्षीय समरजीत सिंह की कथित तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर मौत हो गई। उनके परिजनों ने यह जानकारी दी।

सिंह के परिवार का आरोप है कि उन्हें जुलाई 2025 में नौकरी का झांसा देकर रूस ले जाया गया था और बाद में धोखे से सेना में भर्ती कर मोर्चे पर भेज दिया गया।

समरजीत सिंह का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लाया गया। बाद में उसे लुधियाना लाया गया, जहां परिवार ने शुक्रवार शाम उनका अंतिम संस्कार किया।

समरजीत के पिता चरणजीत सिंह ने उन सभी एजेंट को जिम्मेदार ठहराया जो रूस में नौकरी का फर्जी प्रस्ताव देकर युवाओं को वहां ले जाते हैं और बाद में उन्हें रूस की सेना में भर्ती करा देते हैं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे को बिना किसी सैन्य प्रशिक्षण के रूसी सेना में भर्ती कर लिया गया था। चरणजीत ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे से आखिरी बार सितंबर में बात की थी, जिसके बाद समरजीत लापता हो गया। बाद में परिवार ने बेटे को वापस लाने के लिए विधायकों सहित कई नेताओं से सहायता की गुहार लगाई।

ईरान पर थोपा गया 'अन्यायपूर्ण' युद्ध समाप्त होना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि ईरान की जनता पर थोपा गया ''अन्यायपूर्ण'' युद्ध समाप्त होना चाहिए और शांति कायम होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और इजराइल को ईरान के नेतृत्व का फैसला करने का अधिकार नहीं है।

उमर ने कहा कि ईरान की जनता को अपने देश के नेतृत्व के बारे में फैसला करना है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''अंततः, हम शांति चाहते हैं। हम चाहते हैं कि ईरान की जनता पर थोपा गया यह अन्यायपूर्ण युद्ध समाप्त हो। जैसा कि मैंने बार-बार कहा है, अमेरिका और इजराइल यह तय नहीं कर सकते कि ईरान का नेता कौन होगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई न केवल ईरान के नेता थे, बल्कि ''वह संपूर्ण मुस्लिम जगत के लिए एक सर्वमान्य धर्मगुरु थे।''

उमर ने भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से ईंधन ले जाने की अनुमति दिए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''कोई भी ऐसी चीज जो हमें अपनी कीमतें कम रखने में मदद करती है, वह अच्छी बात है, चाहे रूस से तेल खरीदना हो या जलडमरूमध्य के माध्यम से अपनी गैस और ईंधन की आपूर्ति करने में सक्षम होना हो, जो अन्यथा सभी के लिए बंद है।''

मुख्यमंत्री फडणवीस ने 200 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ पर फहराया तिरंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर के कस्तूरचंद पार्क में 200 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ का अनावरण करते हुए वहां राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

लोकमत मीडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, 200 फुट की ऊंचाई के साथ यह क्षेत्र के सबसे ऊंचे ध्वज स्तंभों में से एक होगा, जिस पर 60 फुट लंबा और 40 फुट चौड़ा तिरंगा लहराएगा। यह विविधता में एकता, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है। यह पहल लोकमत मीडिया ग्रुप और नागपुर महानगरपालिका (एनएमसी) के संयुक्त प्रयासों से शुरू की गई थी। लोकमत मीडिया ग्रुप के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. विजय दर्डा ने समारोह की अध्यक्षता की। नागपुर के एक महानगरीय शहर के रूप में महत्व और इसके ऐतिहासिक 'जीरो माइल' पर प्रकाश डालते हुए, फडणवीस ने इस पहल के लिए लोकमत समूह की प्रशंसा की। नागपुर स्थित 'जीरो माइलस्टोन' औपनिवेशिक भारत के भौगोलिक केंद्र को चिह्नित करता है। यह दूरी मापने का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना हुआ है। दर्डा ने बताया कि ध्वज स्तंभ परियोजना की परिकल्पना 2009 में की गई थी और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित विभिन्न सरकारी विभागों के साथ मिलकर इस पर काम किया गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 28 अक्टूबर 2016 को इसकी आधारशिला रखी थी। इस अवसर को गौरव का क्षण बताते हुए दर्डा ने कहा कि इससे देशभक्ति की भावना मजबूत होगी और युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी।

▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 227 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 15-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एलपीजी 'लापता' गैस बन गई है : अखिलेश यादव

6 लांस नायक विकास चौधरी: गोलियों की बौछार में आगे बढ़कर आतंकवादी को किया धराशायी

7 एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

जहर देकर 100 आवारा कुत्तों को मार डाला गया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मनचेरिल जिले में करीब 100 कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पशु कल्याण कार्यकर्ता ए गौतम ने अपनी शिकायत में बताया कि सात मार्च की रात किश्तपुर गांव में करीब 100 आवारा कुत्तों को मार दिया गया। शिकायतकर्ता 'स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' नामक गैर-सरकारी संगठन में क्रूरता निवारण प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव ने दो लोगों के जरिए कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मार डाला ।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए आधुनिक विश्वविद्यालयों को संकाय विकास, नवाचार और मजबूत अकादमिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने यहां हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पदक विजेताओं में ज्यादातर महिलाएं हैं, जो महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान का एक मजबूत प्रमाण है।

राधाकृष्णन ने छात्रों से राष्ट्र निर्माण के प्रति स्वयं को समर्पित करने और ''राष्ट्र सर्वोपरि'' की भावना को कायम रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में छात्र और युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उपराष्ट्रपति ने समावेशी विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसमें समाज का कोई भी राज्य या वर्ग पीछे न छूटे।

जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक संघर्षों के कारण लोगों पर पड़ने वाले प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस देश में दहशत पैदा करने की कोशिश करके ''गैर-जिम्मेदाराना'' व्यवहार कर रही है।

मोदी ने असम के सिलचर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक पूर्वोत्तर की अनदेखी की और स्वतंत्रता के दौरान ऐसी सीमा रेखा खींचने की अनुमति दी जिससे समुद्री मार्ग से बराक घाटी का संपर्क टूट गया। उन्होंने कहा, ''विश्व में जारी युद्धों को देखते हुए, हमारा प्रयास है कि देश की जनता पर इनका प्रभाव न्यूनतम हो। कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल की भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। वह जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है।''

मोदी ने कहा, ''उसके (कांग्रेस) पास न तो असम के लिए कोई दूरदृष्टि है और न ही राष्ट्र के लिए; वे (कांग्रेस नेता) केवल मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलना जानते हैं।''

प्रधानमंत्री ने पिछले महीने दिल्ली में हुई 'एआई इम्पैक्ट समिट' में कांग्रेस के ''कमीज उतारकर किए गए प्रदर्शन'' को लेकर भी उस पर निशाना साधा और विपक्षी पार्टी पर देश को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया एआई में रुचि रखती है, और दिल्ली में हुए सफल शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता, प्रौद्योगिकी कंपनियां और उनके प्रमुख शामिल हुए। लेकिन, कांग्रेस ने 'कपड़ा फाड़ प्रदर्शनी' कर देश को शर्मिंदा करने की कोशिश की।''

अपने द्वीप पर अमेरिकी बमबारी के बाद

ईरान ने जवाबी हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के अंदर एक हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ जबकि संयुक्त अरब अमीरात में ईरान की रोकी गई मिसाइल का मलबा तेल संयंत्र पर गिर गया। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों में बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास से धुआं उठता दिखा। इसके अलावा यूएई में फुजैरा बंदरगाह में आग लगती हुई दिखी है, जहां अधिकारियों के अनुसार एक ड्रोन को मार गिराया गया है।

इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले एक द्वीप पर सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है।

एम्सटर्डम में यहूदी स्कूल के बाहर विस्फोट

एम्सटर्डम/एपी। नीदरलैंड के एम्सटर्डम में एक यहूदी स्कूल के बाहर विस्फोट के मामले में संदिग्ध की तलाश की जा रही है। शहर की मेयर ने इस हमले को यहूदी समुदाय के खिलाफ कायरतापूर्ण आक्रामकता करार दिया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राजधानी के बुइटेनवेल्डर्ट जिले में स्थित स्कूल की बाहरी दीवार के पास रात में हुए विस्फोट से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि विस्फोट को अंजाम देने वाले व्यक्ति की तस्वीर कैमरे में कैद हो गई है। एम्सटर्डम की मेयर फेमके हालसीमा ने बयान में कहा कि शहर के यहूदी निवासी डरे हुए हैं और वे तेजी से बढ़ते यहूदी-विरोधी हमलों का निशाना बन रहे हैं।

लोकतंत्र उच्च शिक्षा में निवेश करता है ताकि स्नातक स्वयं को अनुशासित कर सकें : सीजेआई

चंडीगढ़/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि एक लोकतंत्र उच्च शिक्षा में इसलिए निवेश नहीं करता कि उसके स्नातक केवल समृद्ध हों, बल्कि इसलिए करता है ताकि वे स्वयं को अच्छी तरह से अनुशासित कर सकें। उन्होंने महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''सार्वजनिक जीवन की हर संस्था – अदालतें, सिविल सेवाएं, स्कूल, अस्पताल, स्थानीय प्रशासन निकाय – इन सभी की गुणवत्ता उन लोगों की योग्यता पर निर्भर करती है जो इनमें सेवा करने के लिए चुने जाते हैं।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि महज 17 वर्षों में, विश्वविद्यालय ने तेजी से प्रगति की है और राष्ट्रीय मान्यता एवं पहचान हासिल की है। सीजेआई ने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों से कहा कि उन्हें प्राप्त डिग्री उनके द्वारा अर्जित ज्ञान को प्रमाणित करती है और उन्हें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने इसी के साथ रेखांकित किया कि ''औपचारिक शिक्षा की संरचना से मुक्त होने के बाद आपका चरित्र और निर्णय क्षमता कैसी रहती है, यह आपकी डिग्री यह प्रमाणित नहीं करती, और न ही कोई भी परीक्षा इसे माप सकती है।

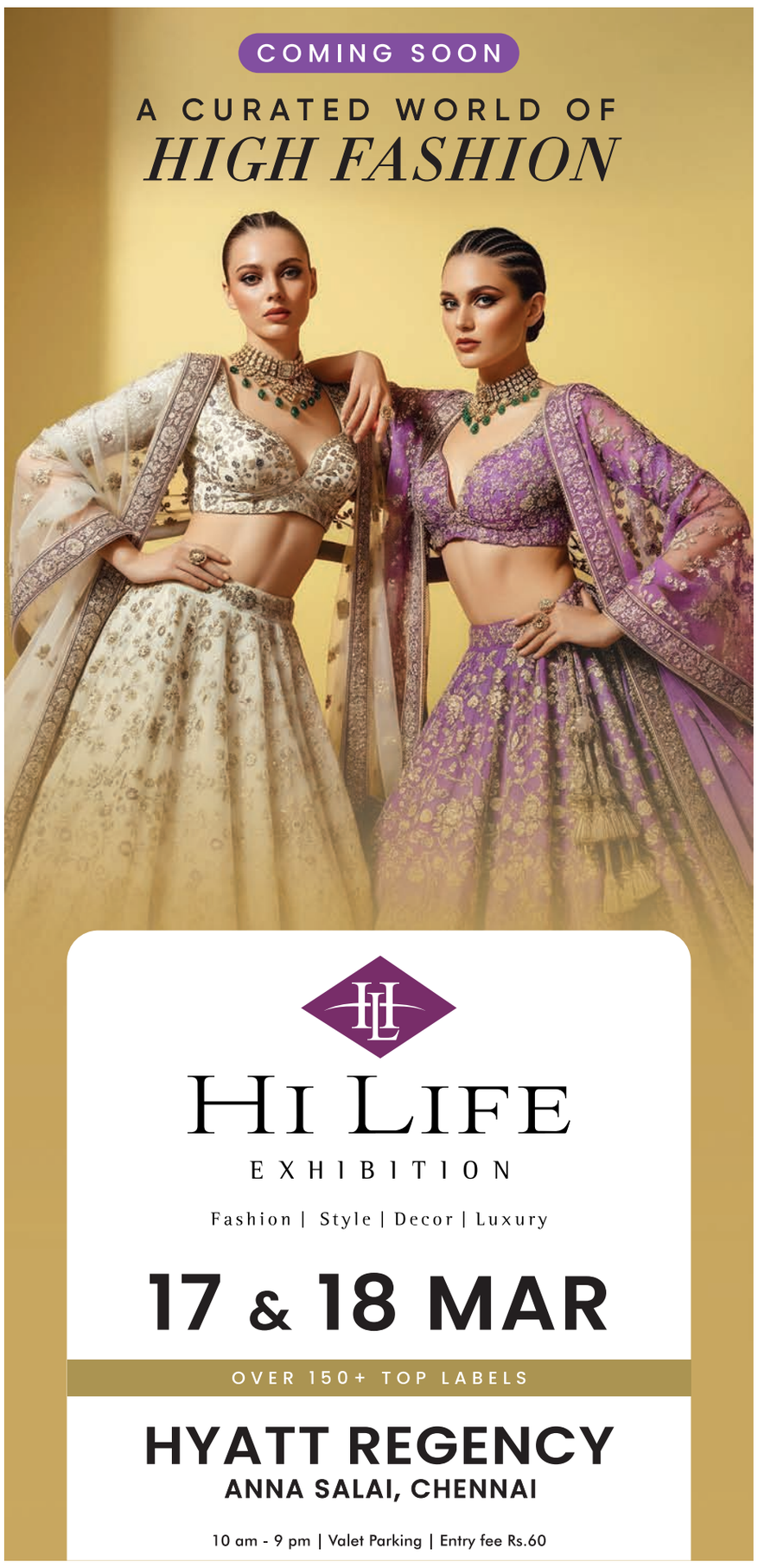

भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अफगान क्षेत्र में पाकिस्तान के हवाई हमलों की शनिवार को निंदा की और कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत अफगानिस्तान के क्षेत्र में पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा करता है, जिनके कारण कई नागरिकों की मौत हुई है और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तानी सेना की ओर से की गई उकसावे की एक और कार्रवाई है, जो अफगानिस्तान की संप्रभुता के विचार के खिलाफ रही है। जायसवाल ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही।

रूस ने मॉस्को की ओर आ रहे 16 ड्रोन को मार गिराया

मास्को/भाषा। रूस ने शनिवार को मॉस्को पर हमला करने आ रहे यूक्रेन के 16 ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि बचाव दल उन स्थानों पर पहुंच गए हैं, जहां ड्रोनों का मलबा गिरा है। उन्होंने बताया कि मॉस्को की ओर बढ़ रहे 16 ड्रोनों को मार गिराया गया। मेयर ने हालांकि जमीन पर हुए नुकसान या हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। मॉस्कवा 24 टीवी चैनल के अनुसार, राजधानी में चार स्थानीय हवाई अड्डों में से तीन वनुकोवो, डोमोडेडोवो और जुकोवस्की ने कई घंटों तक अपना परिचालन बंद रखा, जिससे हवाई यातायात बाधित हुआ।

युवा नौकरी लेने वाले नहीं, देने वाले बनें : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वैश्य समाज में संगठन की प्रबल शक्ति और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है। भारत के इतिहास में वैश्य समाज का योगदान सदैव अग्रणी रहा है। यह समाज देश की आर्थिक रीढ़ है। इसने हजारों वर्षों से देश की अर्थव्यवस्था को थामे रखा है। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज का परिश्रम, व्यापार कौशल और ईमानदारी देश की समृद्धि में सहायक रहे हैं।

शर्मा शनिवार को भांकरोटा में अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों ने मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया। उद्योग, व्यापार और रोजगार में वैश्य समाज का योगदान किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हस्तशिल्प, रत्न-आभूषण, वस्त्र और खाद्य उद्योग में इस समाज की मेहनत और दूरदर्शिता की झलक मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत 2047 और विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य वैश्य समाज के विकास और सहयोग के बिना अधूरा है। समाज के अनुभवी व्यापारियों के पास ज्ञान और अनुभव है। इसलिए उस अनुभव को नई पीढ़ी तक पहुंचाकर स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में रहने वाला वैश्य समाज सामाजिक सरोकार के कार्यों और अपनी संस्कृति से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने युवाओं से उद्योग के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील करते हुए कहा कि 'युवा नौकरी लेने वाले नहीं, देने वाले बनें'।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग और क्षेत्र के विकास का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझोता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, देवास परियोजना सहित अन्य पेयजल एवं सिंचाई परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम किया गया है। राज्य सरकार उद्योगों को भी पर्याप्त पानी देने के लिए काम कर रही है। इसी प्रकार, ऊर्जा के क्षेत्र में 8 हजार 261 मेगावाट की उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई है। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक सम्पूर्ण प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पहले वर्ष में ही हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है। प्रदेश में खनन, पर्यटन और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए नीतियां जारी की गई हैं। साथ ही, युवा नीति जारी कर प्रदेश के युवाओं को उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। ओडीओपी योजना से हर जिले में उद्योग मजबूत बन रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

शर्मा ने कहा कि 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के वादे को हमारी सरकार पूरा कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश में अब तक सवा लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। वहीं, 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में एक लाख पदों की जगह सवा लाख पदों पर भर्ती के लिए कैलेण्डर जारी करने की घोषणा भी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता और अथक परिश्रम के कारण 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, रेवती नक्षत्र और इन्द्रयोग में वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। इसीलिए हमने निर्णय लिया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष 19 मार्च को मनाया जाने वाला यह दिवस राजस्थान की आत्मा, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास का उत्सव है।

शर्मा ने कहा कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार निरन्तर काम कर रही है। पिछले दो वर्षों से अधिक के कार्यकाल में प्रदेश 11 जनकल्याणकारी योजनाओं में देश में प्रथम स्थान पर, 5 राष्ट्रीय योजनाओं में दूसरे स्थान पर और 9 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में तीसरे स्थान रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों से केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाने का आह्वान किया। इससे पहले महासम्मेलन में मुख्यमंत्री ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया।

जयपुर में द्रव्यवती नदी के किनारे यातायात गलियारा बनाने के लिए बनेगी परियोजना रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बढ़ते यातायात के बीच सरकार द्रव्यवती नदी के किनारे 'एलिवेटेड ट्रैफिक कॉरिडोर' की संभावना तलाश रही है। सरकार ने इसके लिए परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण की परियोजना कार्य कमेटी (पीडब्ल्यूसी) की बैठक में इसकी मंजूरी दी गई। कमेटी की शुक्रवार को हुई बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और नयी विकास योजनाओं को गति देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर करोड़ों रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गईं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार बैठक में जयपुर शहर में यातायात के दबाव को कम करने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए द्रव्यवती नदी के साथ प्रस्तावित 'एलिवेटेड ट्रैफिक कॉरिडोर' की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए छह करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना के क्रियान्वयन से शहर में यातायात की सुगमता बढ़ने और जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।बयान के अनुसार इसी क्रम में द्रव्यवती नदी पर चार स्थानों पर सुगम आवागमन करने के उद्देश्य से 'बॉक्स कल्वर्ट' बनाने के लिए 16.67 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। वहीं खेल अवसंरचना को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए द्रव्यवती नदी के किनारे आधुनिक 'स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' के निर्माण एवं विकास के लिए 7.90 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि इन परियोजनाओं से शहर की यातायात व्यवस्था और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा जयपुर के सुनियोजित और सतत विकास को नयी गति मिलेगी।

भजनलाल शर्मा ने सफाई कर्मियों को पीपीई किट बांटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शनिवार को यहां श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिये जाने के साथ राज्यव्यापी स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सफाईकर्मियों को 'पीपीई किट' बांटी तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक भी सौंपे। शर्मा ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा रामनिवास बाग में पौधरोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वृहद राजस्थान की स्थापना की गई थी, इसलिए उनकी सरकार ने पिछले वर्ष राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय किया था।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष 19 मार्च को यह गौरवशाली दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत स्वच्छता कार्यक्रम से हुई है।

शर्मा ने कहा, हमारा संकल्प है कि राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के मामले में भी देश का अग्रणी राज्य बने।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' प्रारंभ कर स्वच्छता को पूरे देश में जन-आंदोलन का रूप दिया है, यह मिशन केवल सड़कों और नालियों की सफाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे लोगों की व्यवहार में भी बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 और विकसित राजस्थान 2047 का सपना तभी साकार होगा, जब हर घर, गली, पार्क और स्मारक स्वच्छ होगा।

आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के उपयोग पर राजस्थान स्टेट गैस को राष्ट्रीय 'डायमण्ड अवार्ड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड (आरएसजीएल) को स्मार्ट गैस वितरण के क्षेत्र में आईओटी आधारित तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'डायमण्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक श्री रणवीर सिंह ने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंडिया स्मार्ट ग्रीड फोरम द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। आरएसजीएल की ओर से यह पुरस्कार उपमहाप्रबंधक श्री विवेक श्रीवास्तव और श्री सी.पी. चौधरी ने प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि कंपनी को यह पुरस्कार सीएनजी मदर स्टेशन पर आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए दिया गया है। आरएसजीएल द्वारा उन्नत आईओटी तकनीक के माध्यम से सीएनजी स्टेशनों का संचालन रियल टाइम निगरानी प्रणाली के आधार पर किया जा रहा है। इससे डेटा एकीकरण, स्वचालित प्रबंधन, डिस्पेंसर और कंप्रेसर संचालन, परिचालन डेटा की मॉनिटरिंग, ट्रैकिंग और शेड्यूलिंग जैसी गतिविधियां एकीकृत आईओटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित हो रही हैं। उप महाप्रबंधक श्री विवेक श्रीवास्तव और श्री सी.पी. चौधरी ने बताया कि सीएनजी मदर स्टेशन के इस ऑटोमेशन से कार्य में पारदर्शिता और रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।

इसके साथ ही मूल्य संशोधन प्रक्रिया भी अधिक सटीक और केंद्रीकृत तरीके से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल सीएनजी स्टेशनों के ऑटोमेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकारी स्कूल की होनहार छात्राओं को प्रधानाचार्य ने करवाई हेलीकॉप्टर में सैर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूल की तीन होनहार छात्राओं को प्रधानाचार्य ने अपने खर्चे से हेलीकॉप्टर की सैर करवाकर उनके एक सपने को पूरा कियाि। कक्षा 'टेस्ट' में अव्वल रहने वाली इन तीन छात्राओं ने शुक्रवार को हेलीकॉप्टर में बैठकर जयपुर का भ्रमण किया।

डीडवाना-कुचामन जिले के केराप गांव में राजकीय महात्मा गांधी स्कूल की तीन होनहार छात्राओं ने जयपुर के पास चौमूं से (प्रधानाचार्य) राजेंद्र ढाका के साथ हेलीकाप्टर की सैर की।

लगभग आधे घंटे की हवाई यात्रा में छात्राओं ने राजधानी जयपुर को आसमान से देखा तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। ढाका ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस यात्रा का सारा प्रबंधन व खर्च उन्होंने निजी स्तर पर किया। उन्होंने बताया कि इस सारी यात्रा पर लगभग एक लाख रुपए का खर्च आया। प्रधानाचार्य ने बताया कि स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा खुशी मेघवाल, रंजना नायक और ज्योति ने हाल ही में बोर्ड परीक्षा से पहले एक 'टेस्ट' में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया था।

उन्होंने बताया कि जब छात्राओं से पूछा गया कि वे पुरस्कार के रूप में क्या चाहती हैं, तो तीनों ने मजाक में कहा कि उन्हें हेलिकॉप्टर में घूमना है। ढाका ने कहा, बच्चियों व उनके माता पिता को भरोसा ही नहीं था कि ऐसा सच में होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे समाज में अच्छा संदेश जाएगा और बच्चियां भी आगे अधिक लगन से पढ़ाई को प्रोत्साहित होंगी।

छात्रा ज्योति ने मुस्कुराते हुए कहा, सर ने हमसे पूछा था कि हमारी क्या इच्छा है तो हमने बताया कि हमारी हेलीकाप्टर में बैठने की इच्छा है। हमने सोचा कि सर मजाक कर रहे हैं। पर एक दिन हमारे घर आए और कहा कि आपको हेलीकाप्टर में घुमाया जाएगा। हमें आश्चर्य हुआ पर आज हम यहां घूमने आए। छात्रा खुशी ने कहा कि सभी को बहुत अच्छा लग रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया होण्डा के पहले ईवी मॉडल का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। होण्डा की ओर से पहला इलेक्ट्रिक वाहन प्रदेश के टपूकड़ा संयंत्र में बनेगा, जिसका उत्पादन इसी वर्ष शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में होण्डा के पहले ईवी मॉडल (होण्डा 0 अल्फा) का अनावरण किया। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' की तैयारियों के तहत सितंबर 2024 में जापान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने होण्डा के शीर्ष प्रबंधन को यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' के आह्वान के समर्थन में राजस्थान में ईवी मॉडल निर्माण एवं निवेश के लिए आमंत्रण किया था। साथ ही, आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया था। जिसको लेकर होण्डा के प्रतिनिधिमंडल ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। ग्रीन मोबिलिटी के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित ऊर्जा एवं ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने और रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही, देश के ऑटोमोटिव भविष्य में राज्य की मजबूत भूमिका के लिए निवेशों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं होने एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन यहां होने से अर्थव्यवस्था की गति और तेज होगी।

शर्मा ने कहा कि होण्डा टपूकड़ा संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाने जा रही है, जो राजस्थान की प्रभावशाली निवेश नीतियों पर वैश्विक विश्वास का बेहतरीन प्रमाण है। इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण की दिशा में इसके बाद और निवेश बढ़ने की प्रबल संभावना होगी। साथ ही, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करने एवं पर्यावरणीय संतुलन के साथ औद्योगिक विकास की यात्रा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि होण्डा कम्पनी का राजस्थान से जुड़ाव काफी पुराना है। 2007 में कम्पनी के संयंत्र का शिलान्यास, 2014 में वाहनों का उत्पादन प्रारम्भ होना और अब 2026 में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के पहले उत्पादन के लिए टपूकड़ा संयंत्र का चयन राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से स्वच्छ परिवहन की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने हेतु ईवी खरीद पर अनुदान, सिंगल विण्डो सिस्टम के साथ चार्जिंग स्टेशन्स की स्थापना की जा रही है। साथ ही, 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहन को स्क्रैप कराने एवं नए वाहन की खरीद पर 'राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति' के तहत छूट भी दी जा रही है। बैठक के दौरान कंपनी की ओर से भारत में अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विस्तार के लिए योजनाएं भी साझा की गई। साथ ही बताया गया कि यहां उत्पादित मेड इन इंडिया ईवी मॉडल घरेलू बाजार के साथ ही कई देशों में निर्यात किए जाएंगे।

होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं सीईओ ताकाशी नाकाजिमा ने बताया कि टपूकड़ा संयंत्र भारत में होण्डा के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए कारों और पुर्जों का निर्माण करता है। अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर कंपनी की ओर से लिया गया यह फैसला महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने बताया कि होण्डा ने अपने सप्लायर्स और दोपहिया संयंत्र के जरिए राजस्थान में ऑटो और ऑटोपार्ट्स की सप्लाई चेन का एक पूरा इको-सिस्टम तैयार किया है। बैठक में जापान से आए होण्डा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने अपनी गलती स्वीकार की : खाचरियावास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता और सामाजिक चिंतक सोनम वामचुंग की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी शुरू से ही गलत थी और पूरे देश में इसका विरोध हुआ था। समाचार एजेंसी आईएएनएस से शनिवार को खास बातचीत में खाचरियावास ने कहा कि अब जब उनकी रिहाई के आदेश गृह मंत्रालय ने जारी किए हैं, तो यह साफ हो गया है कि सरकार ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक का सम्मान न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में किया जाता है। उनके कार्य, उनकी कार्यशैली और पर्यावरण व समाज के लिए किए गए प्रयास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते हैं। वांगचुक की छवि मानवता के हित में काम करने वाले व्यक्ति की है और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। खाचरियावास ने आगे कहा कि अब जब उन्हें रिहा किया जा रहा है तो केंद्र सरकार को जनता के सामने जवाब देना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी गिरफ्तारी क्यों की गई थी। केंद्र सरकार को सोनम वांगचुक से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि विचार-विमर्श के बाद सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, 24 सितंबर 2025 को लेह में उत्पन्न हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। मंत्रालय ने बताया कि एनएसए के तहत उन्हें हिरासत में रखे जाने की अवधि का लगभग आधा समय बीत चुका था।

सोनम वांगचुक की 170 दिन बाद रिहाई, जोधपुर सेंट्रल जेल से आए बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की 170 दिनों से चली आ रही हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई। केंद्र सरकार द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के निर्णय के बाद उन्हें शनिवार दोपहर जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। वांगचुक की मुश्किलों की शुरुआत 24 सितंबर 2025 को हुई थी, जब लद्दाख प्रशासन ने उन्हें हिरासत में लिया था। उन पर लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के दौरान हुई हिंसा को भड़कने का आरोप लगा था। इस हिंसा में दुर्भाग्यवश 4 लोगों की जान गई थी और 150 से अधिक लोग घायल हुए थे। सुरक्षा कारणों के चलते 26 सितंबर को उन्हें जोधपुर जेल स्थानांतरित कर दिया गया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि वांगचुक की रिहाई का फैसला उस वक्त आया जब 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में उनकी पत्नी गीतांजलि द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई होनी थी।

गृह मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से उनकी हिरासत खत्म की गई है। सरकार ने यह भी दोहराया कि वह संवाद के माध्यम से लद्दाख की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेल से बाहर आने के बाद और सोशल मीडिया के जरिए सोनम वांगचुक ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी सक्रियता कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं अपने रुख से पीछे नहीं हटा हूँ। हमारा संघर्ष लद्दाख की सुरक्षा, गरिमा और यहाँ के भविष्य के लिए था और हमेशा रहेगा। उनकी रिहाई का लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने स्वागत किया है, जो लंबे समय से उनकी आजादी की मांग कर रहे थे।

तमिलनाडु में दक्षिणी तटीय जिलों में हल्की बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के रामनाथपुरम और थूथुकुडी जिलों में अगले दो दिनों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, रामनाथपुरम और थूथुकुडी जिलों में शनिवार और रविवार को एक या दो स्थानों पर बहुत हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश जिलों में वर्षा की उम्मीद नहीं है। दक्षिणी तटीय जिलों में हुई संक्षिप्त बारिश क्षेत्र में हुए मामूली वायुमंडलीय परिवर्तनों के कारण है। इसके साथ ही बारिश की मात्रा न्यूनतम रहने की उम्मीद है, लेकिन इससे इन क्षेत्रों में बढ़ते तापमान से अस्थायी राहत मिल सकती है।

विभाग ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप दिन के समय मौसम गर्म हो सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य भर में निवासियों को बढ़ते तापमान के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। व्यापक वर्षा की कमी के कारण, कई जिलों में दिन के समय शुष्क और गर्म मौसम बने रहने की संभावना है। चेन्नई में शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि शहर में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के बावजूद शहर में बारिश होने की संभावना नहीं है। अगले 24 घंटों में मौसम काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान अधिकारियों ने कहा कि तमिलनाडु में सर्दियों और गर्मियों के बीच के इस संक्रमणकालीन दौर में इस तरह की छिटपुट बारिश होना सामान्य बात है। हालांकि स्थानीय मौसम संबंधी पैटर्न के कारण दक्षिणी तटीय जिलों में कभी-कभी हल्की बारिश होती है, लेकिन राज्य के अधिकांश हिस्से आमतौर पर इस दौरान शुष्क रहते हैं।

जागरूकता रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के अरियालुर जिले की भारतीय जनता पार्टी की युवा शाखा द्वारा आयोजित जागरूकता रैली में 25 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष डॉ. परमेश आनंदराज दोपहिया वाहन पर सवार होकर सबसे आगे रहे। युवा शाखा के जिला अध्यक्ष चारुहासा जयनकोंडम, पूर्वी संघ के उपाध्यक्ष, अधिवक्ता, लघु व्यवसाय प्रभाग के जिला अध्यक्ष गोविंदास्वामी जयनकोंडम, पूर्वी संघ की महासचिव कमलाकानन पट्टियालिनी, जिला अध्यक्ष अधिवक्ता जयराज और पार्टी के कई पदाधिकारियों ने रैली में हिस्सा लिया। रैली गंगईकोंडा चोलपुरम से शुरू हुई और सरकारी कला महाविद्यालय के पास समाप्त हुई। सभी युवाओं ने हाथों में भाजपा के झंडे लहराए। इस मौके पर कर्नाटक मीडिया प्रभारी एवं जयनकोंडम क्षेत्र के प्रभारी करुणाकर खासले, चन्द्रकांत विशेष रूप से उपस्थित थे।

करूर में पार्टी को मजबूत करने के लिए टीवीके ने शुरू किया अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने करूर में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए 'टारगेट करूर' चुनाव अभियान शुरू किया है। पार्टी ने 27 सितंबर, 2025 को करूर में विजय की चुनावी रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत के बाद ज्यादा सियासी सरगर्मी नहीं दिखाई थी। हालांकि बाद में धीरे-धीरे तमिलनाडु और पुडुचेरी के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित करनी शुरू कर दी थीं।

टीवीके के संस्थापक विजय इस मामले में जांच का सामना कर रहे हैं और उन्हें पूछताछ के लिए तीसरी बार समन जारी किया गया है। उच्चतम न्यायालय की निगरानी में सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। तेरह मार्च को, करूर जिला सचिव वी पी मैथियाज़गन के नेतृत्व में टीवीके पदाधिकारियों ने करूर में द्रमुक के नेता और राज्य के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी के गृह क्षेत्र कोडंगिपट्टी के मंदिरों में भगवान का आशीर्वाद लेने के बाद चुनाव अभियान शुरू किया। पार्टी ने कहा कि 'टारगेट करूर' अभियान का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव में टीवीके के लिए लोगों का समर्थन हासिल करके क्षेत्र में पार्टी को मजबूती प्रदान करना है।

तमिलनाडु में ईंधन की कोई कमी नहीं है, लोग घबराएं नहीं : तेल कंपनियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश की तीन प्रमुख तेल विपणन कंपनियों के राज्य स्तरीय समन्वयक ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में ईंधन की कोई कमी नहीं है और साथ ही उन्होंने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने का आग्रह किया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक एवं तमिलनाडु और पुडुचेरी के राज्य प्रमुख एम अन्नादुरई ने कहा कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा संचालित तीनों टर्मिनलों में 'हाई स्पीड डीजल' और मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) का पर्याप्त भंडार है, जो अगले नौ दिनों तक चलेगा।

अन्नादुरई ने संवाददाताओं से कहा, ''इसके अलावा, हमें रेलगाड़ियों और पाइपलाइनों के माध्यम से पेट्रोल और डीजल की नियमित आपूर्ति मिल रही है। तमिलनाडु में ईंधन की कोई कमी नहीं है। कृपया घबराएं नहीं। और (ईंधन की कमी के बारे में) अफवाहों पर विश्वास न करें।'' अन्नादुरई तीनों तेल विपणन कंपनियों (एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल) के लिए राज्य स्तरीय समन्वयक भी हैं।

तमिलनाडु में पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारों की खबरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईंधन की खपत में काफी वृद्धि हुई है और पिछले कुछ दिनों में मांग में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अन्नादुरई ने घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को लेकर कहा कि लक्ष्य यह है कि शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक 25 दिनों में और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक 45 दिनों में रिफिल बुकिंग की जा सके।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र के मुताबिक अस्पतालों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए उसके बाद स्कूलों और कॉलेजों जैसे शैक्षणिक संस्थानों को, जिनमें छात्रावास भी शामिल हैं।

द्रमुक ने रजनीकांत को धमकाया : टीवीके नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता आधव अर्जुन ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया है कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)ने सुपरस्टार रजनीकांत को तब 'धमकी' दी थी जब उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की थी। अर्जुन के इस दावे के बाद रजनीकांत के प्रशंसकों और पूर्व सलाहकार की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई है।

रजनीकांत के पूर्व सलाहकार रा अर्जुनमूर्ति ने टिप्पणी की कड़ी निंदा की और टीवीके के संस्थापक विजय से अर्जुन पर कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया। तमिलनाडु के मंत्री एस. रेगूपथी ने इस आरोप को लेकर टीवीके पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विजय के नेतृत्व वाली पार्टी झूठ बोलकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है।

मंत्री ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि रजनीकांत द्रमुक के मित्र हैं और उन्होंने पार्टी के प्रति समर्थन व्यक्त किया है।

रेगुपथी ने कहा, रजनीकांत को धमकाया नहीं जा सकता। यह बात सभी जानते हैं। द्रमुक द्वारा उन्हें धमकाने की बात कहना सरासर झूठ है। विजय की पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कह रही है।'' उन्होंने बताया कि 1996 के चुनाव में रजनीकांत ने द्रमुक का समर्थन किया था। टीवीके के महासचिव आधव अर्जुन ने 12 मार्च को यहां राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि जब रजनीकांत ने राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की तो द्रमुक ने उन्हें धमकी दी थी। हालांकि, उनकी टिप्पणियों की रजनीकांत के प्रशंसकों सहित विभिन्न वर्गों ने आलोचना की है।

रजनीकांत के फैन क्लब के सदस्य एस रवि ने संवाददाताओं से कहा, ''रजनीकांत धमकियों से डरने वाले व्यक्ति नहीं हैं। महामारी के दौरान उन्होंने सभाओं में संक्रमण फैलने के खतरे को देखते हुए राजनीति से दूरी बना ली थी। वे वायरस के कारण होने वाली जानमाल की हानि को रोकना चाहते थे।'' विजय को संबोधित एक पत्र में, रजनीकांत के पूर्व सलाहकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु एनजीओ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अर्जुनमूर्ति ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आधव अर्जुन अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं और दिग्गज हस्तियों का अनादर कर रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान यह तय करेगा कि पार्टी के सांसद केरल विधानसभा चुनाव लड़ेंगे या नहीं : वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि केरल के कुछ पार्टी सांसदों ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने में रुचि व्यक्त की है, लेकिन इस संबंध में अंतिम निर्णय आलाकमान लेगा। पत्रकारों से बात करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति ने केरल विधानसभा चुनावों के लिए कई नामों को अंतिम रूप दे दिया है तथा कुछ और नामों पर फैसला होना बाकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी इस संबंध में चर्चा कर रही है और जल्द ही निर्णय की घोषणा की जाएगी।

अलप्पुझा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद वेणुगोपाल ने पार्टी के वरिष्ठ नेता के. सुधाकरन की ''नाराजगी'' की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता की हालिया फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कन्नूर और कांग्रेस के प्रति अपना प्रेम ही व्यक्त किया है। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि चुनाव लड़ने की किसी की इच्छा को वह बहुत ''बड़ी गलती'' नहीं कह सकते। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''मेरा मानना है कि अंतिम निर्णय आलाकमान को लेना है और मुझे नहीं लगता कि सुधाकरन इसके खिलाफ जाएंगे।''

सुधाकरन को भाजपा में शामिल होने का निमंत्रण दिए जाने की खबरों के संबंध में वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें (भाजपा) किसी और को ढूंढना होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी में सभी का लक्ष्य विधानसभा चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत सुनिश्चित करना है।

सद्गुरु ने किए बागेश्वर धाम के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/छतरपुर। ईशा फाउन्डेशन के संस्थापक प्रसिद्ध अध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने बागेश्वर धाम कादौरा किया। इस दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने उनका आत्मिक स्वागत किया।

धर्म, आस्था, योग, ध्यान और जीवन दर्शन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बागेश्वर महाराज ने सद्गुरु को बालाजी के दर्शन कराए और बागेश्वर महादेव तथा संन्यासी बाबा के दर्शन भी कराए। साथ ही उन्होंने यहां की आध्यात्मिक महिमा और संन्यासी बाबा द्वारा लगभग साढ़े 300 वर्ष पूर्व की गई साधना के बारे में भी जानकारी दी।

बागेश्वर धाम जनसेवा समिति के सदस्य ऋषि शुक्ला ने बताया कि ईशा फाउंडेशन, कोयंबटूर के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने बागेश्वर महाराज को आदि योगी की प्रतिमा भेंट की। वहीं बागेश्वर महाराज ने अपनी माताजी की उपस्थिति में सद्गुरु को श्रीराम दरबार की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इस मुलाकात को सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक संवाद की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर दोनों संतों ने लोगों को आध्यात्मिकता, आत्मचिंतन और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। सद्गुरु के साथ उनके साधक परिवारों के प्रतिनिधि भी बागेश्वर धाम पहुंचे, जिनमें लगभग 40 देशों से जुड़े अनुयायी शामिल थे। इन साधकों ने भी श्रद्धा के साथ धाम में अर्जी लगाई और पूजा-अर्चना की।

साधकों को प्रसाद स्वरूप एक थाली भेंट की गई, जिसमें हनुमान चालीसा, श्रीमद भगवत गीता, रुद्राक्ष माला, बालाजी का विग्रह, लॉकेट और अंग्रेजी में लिखी साधु जी सीताराम पुस्तक सहित महाप्रसाद रखा गया था। धाम में मौजूद श्रद्धालुओं के लिए यह अवसर बेहद खास रहा क्योंकि दो प्रमुख आध्यात्मिक परंपराओं के मार्गदर्शक एक साथ मंच पर दिखाई दिए। इस दौरान सनातन धर्म की वैश्विक पहचान, योग और ध्यान के माध्यम से जीवन में संतुलन और शांति स्थापित करने जैसे विषयों पर भी विचार साझा किए गए। बागेश्वर धाम में आयोजित इस आध्यात्मिक मिलन को भक्तों ने सनातन संस्कृति की एकता और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक बताया।

राजग के साथ गठबंधन की कोई संभावना नहीं है : टीवीके

चेन्नई। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से शनिवार को इनकार किया। पार्टी ने चुनावी समझौते को लेकर मीडिया में जारी अटकलों को भी खारिज कर दिया। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों के इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत हो रही है।

नागेंद्रन ने यहां पत्रकारों से कहा, ''आप गठबंधन को लेकर चिंतित हैं और मैं जनता की समस्याओं को लेकर चिंतित हूं, खासकर राज्य में कानून-व्यवस्था की विफलता और महिलाओं की सुरक्षा की कमी को लेकर।'' राजग के साथ गठबंधन के लिए बातचीत को ''अफवाह'' बताते हुए, टीवीके के संयुक्त महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने कहा कि 13 मार्च को पार्टी के जिला सचिवों के साथ हुई ऑनलाइन बैठक का उद्देश्य पार्टी की ताकत और गठबंधन की संभावनाओं का आकलन करना था। निर्मल कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राजग के साथ गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। हम पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भाजपा हमारी वैचारिक शत्रु है।''

भाजपा पदाधिकारियों के लिए एकदिवसीय चुनाव मीडिया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव के मद्देनजर में शनिवार को, सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक तमिलनाडु भाजपा के राज्य चुनाव कार्यालय, अय्यावु महल में एक दिवसीय चुनाव मीडिया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भाजपा पदाधिकारियों के लिए किया गया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया, जीवीएल नरसिम्हारा, सी आर केशवन और पुडुचेरी प्रवक्ता अरुल कुमारन इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का आयोजन तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायण तिरुपति, मीडिया विभाग के राज्य अध्यक्ष पी. रंगनायकुलु, सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष एम. एस. बालाजी (जिन्होंने कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया), तमिलनाडु भाजपा की मीडिया बहसों के प्रभारी करुणा नागराजन, आशीर्वाद आचार्य, श्रीकांत करुणेश और बहसों में भाग लेने वाले नेताओं, तमिलनाडु भाजपा मीडिया और सोशल मीडिया के राज्य कार्यकारियों और जिला नेताओं द्वारा किया गया था।

कोच्चि पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए बुजुर्ग से ठगी गई एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम बरामद की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। कोच्चि शहर की साइबर पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन ठगी के जरिए 81 वर्षीय एक व्यक्ति से ठगी गई एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम बरामद की है। पुलिस के शनिवार को जारी बयान के अनुसार, यह घटना पिछले वर्ष नवंबर में हुई थी, जब बुजुर्ग से 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले के जरिए करीब 1.30 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। इस तरह की ठगी में ठग कानून लागू करने वाले अधिकारियों का रूप धारण कर लोगों को धोखा देते हैं। वे लोगों को अवैध गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाकर डराते हैं और फिर मामले से बाहर निकालने के नाम पर उनसे पैसे की मांग करते हैं।

पुलिस ने बताया कि समय पर की गई कार्रवाई के कारण जम्मू-कश्मीर के एक बैंक से करीब 1.06 करोड़ रुपये की राशि बरामद की गई। बयान में कहा गया कि जब पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई, तो साइबर अपराध पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया और उसकी जानकारी तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर अपलोड कर दी गई।

तत्काल जांच और तकनीकी हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने उस बैंक खाते से राशि के अंतरण को रोक दिया था, जिसमें 1,06,27,914 रुपये की राशि अंतरित की गई थी। इस खाते में पीड़ित द्वारा पैसा भेजा गया था।

द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन एलपीजी मुद्दे पर आज को विरोध प्रदर्शन करेगा

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव एलायंस' (एसपीए) देश भर में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर केंद्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की आलोचना करते हुए 15 मार्च को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। एसपीए ने यहां एक बयान में आरोप लगाया कि राजग सरकार की गलत नीति और एहतियाती उपायों की कमी के कारण वर्तमान में पूरे देश में घरेलू तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कमी है, जिससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसपीए ने कहा कि औद्योगिक संसाधनों से समृद्ध तमिलनाडु में कई लघु एवं मध्यम उद्यम इस समस्या के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से तत्काल कार्रवाई करने और स्थिति को सुधारने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु सरकार इंडक्शन स्टोव का उपयोग कर रहे भोजनालयों को बिजली पर दो रुपये प्रति यूनिट सब्सिडी देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को उन रेस्त्रां, होटल और चाय की दुकानों के लिए बिजली पर दो रुपये प्रति यूनिट की सब्सिडी की घोषणा की, जो कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की जगह इलेक्ट्रिक स्टोव का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सरकार के अनुसार, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन 28 फरवरी से पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इस संघर्ष के कारण भोजनालयों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी हुई है।

शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इंडक्शन स्टोव का उपयोग करने वाले होटलों, चाय की दुकानों और क्लाउड किचन द्वारा अतिरिक्त बिजली की खपत पर प्रति यूनिट दो रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जे. राधाकृष्णन ने कहा, यह सब्सिडी तब तक लागू रहेगी, जब तक केंद्र द्वारा वाणिज्यिक एलपीजी उपयोग पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं हट जाता।

सुविचार

मौन रहना भी एक कला है। कभी-कभी चुप रहकर हम उन रिश्तों को बचा लेते हैं जो बहस करने से खत्म हो सकते थे।

ट्वीट

आज भी इस सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए, पोस्टर फड़वा दिए।

-नरेन्द्र मोदी

जयपुर और अजमेर जिलों के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के जयपुर किशनगढ़ खंड को फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड के निर्माण सहित 6-लेन में उन्नत करने हेतु 910.90 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किया जाना प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-दिया कुमारी

कहानी

एक लेखक का पुनर्जन्म

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भोर की पहली किरण अभी पेड़ों की ओट से झाँक ही रही थी कि अमलतास के पेड़ों पर टंगे पीले फूलों ने ओस की बूंदों को ज़मीन पर उतारना शुरू कर दिया। हवा में भीगी हुई मिट्टी और रात की रानी की मद्धम पड़ती खुशबू घुली हुई थी। प्रकृति का यह मौन उत्सव अभी शुरू ही हुआ था कि आलोक की नींद खुल गई। खिड़की के बाहर चहचहाते पक्षी जैसे किसी नए अध्याय का स्वागत कर रहे थे।

अमर उजाला काव्य के डिजिटल पटल पर अपना नाम और उसके ठीक नीचे अपनी उन चंद पंक्तियों को निहारना वीरेन्द्र के लिए महज़ एक सुखद संयोग नहीं था; यह उस ब्रह्मांडीय स्वीकृति की पहली मुहर थी, जिसके लिए वह न जाने कितनी गुमनाम रातों से तड़प रहा था। उस सुबह जब उसने ईमेल के इनबॉक्स में देखा और पाया कि उसकी रचना वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है, तो उसे लगा जैसे उसके अस्तित्व का कोई खोया हुआ हिस्सा उसे वापस मिल गया हो। वह नाम, जो अब तक केवल स्कूल के रजिस्टरों या सरकारी दस्तावेज़ों तक सीमित था, आज सार्वजनिक चेतना का हिस्सा बन गया था। उस दिन के बाद से जैसे उसके जीवन में एक अंतहीन सिलसिला शुरू हो गया। कभी किसी स्थानीय दैनिक में कोई छोटा सा लेख छप जाता, तो कभी किसी साहित्यिक पत्रिका के हाशिए पर उसकी कोई कविता जगह बना लेती। कभी-कभार किसी अनाम संपादक का संक्षिप्त और औपचारिक फोन आता, जो वीरेन्द्र के लिए किसी राजकीय सम्मान से कम नहीं होता था। उन दिनों उसे लगता था कि शब्द ही संसार हैं और इन शब्दों के माध्यम से वह दुनिया को बदल सकता है।

जब भी उसकी कोई रचना छपती, वह उसे कई बार पढ़ता। कभी पाठकों से प्रशंसा मिल जाती, कभी कोई सुझाव दे देता, तो वीरेन्द्र को लगता कि उसकी आवाज़ अब शून्य में नहीं भटक रही। उसे महसूस होता कि उसकी चेतना के तंतु समाज के उन अनछुए कोनों से जुड़ रहे हैं जहाँ तक वह स्वयं कभी नहीं पहुँच सका था। लेकिन जैसे-जैसे ख्याति के छोटे-छोटे द्वीप आकार लेने लगे, उसके भीतर कुछ अनकहे और चुभने वाले सवाल भी पनपने लगे। वह अक्सर आधी रात को अपनी ही लिखी पंक्तियों को पढ़ता और सोचता कि क्या यह सब वास्तव में असली है? क्या लोग उसके शब्दों की गहराई तक जा पा रहे हैं, या वे केवल उस नाम के पीछे भाग रहे हैं जिसे अब 'उभरता हुआ लेखक' कहा जाने लगा था? क्या उसकी कहानियाँ उन झुर्रियों वाले चेहरों, उन धूल भरे गाँवों और उन सूनी आँखों तक पहुँच पा रही हैं जिनके दुःख को उसने अपनी कहानी का आधार बनाया था?

एक दिन एक अनजान नंबर से उसके पाठक ने उसे फोन किया। उसने बताया कि उसकी ताज़ा कहानी पढ़कर उसे अपने पुरखों का वह घर याद आ गया जो बरसों पहले बाढ़ की भेंट चढ़ गया था। वह पाठक अपनी व्यथा सुनाने लगा और वीरेन्द्र चुपचाप सुनता रहा। उस दिन वीरेन्द्र के भीतर एक अनकही तृप्ति भर गई। उसे पहली बार लगा कि लेखक की सार्थकता किसी पुरस्कार में नहीं, बल्कि उस एक व्यक्ति की आँखों की नमी में है जो उसके शब्दों के साथ अपनी साँसें साझा कर रहा है। उसे लगा कि वह अब अकेला नहीं है। लेकिन विडंबना यह थी कि इसी संतोष के गर्भ से एक गहरा संदेह भी जन्म ले रहा था।

रात के सन्नाटे में, जब पूरा घर गहरी नींद में होता, वीरेन्द्र अपनी पुरानी कहानियों के पुलिंदे निकालकर मेज़ पर फैला देता। वह हर वाक्य को, हर विराम चिह्न को ऐसे देखता जैसे वह किसी अजनबी की कृति हो। कई बार उसे लगता कि उसकी कहानियाँ भाषाई दृष्टि से बहुत सुंदर हैं, उपमाएँ सटीक हैं और विस्तार अद्भुत है, लेकिन क्या वे सच हैं? उसे याद आता कि उसके पात्र कहीं आकाश से नहीं टपके थे। वे उसी गाँव की सौंधी मिट्टी से उपजे थे जहाँ उसका बचपन बीता था। वे खेतों में काम करने वाली वे स्त्रियाँ थीं जिनकी पीठें जेठ की तपती धूप में झुलसकर काली पड़ गई थीं, लेकिन जिनकी आँखों में कभी व्यवस्था के प्रति कोई औपचारिक शिकायत नहीं दिखी। वे बूढ़े किसान थे जो हर साल मानसून की पहली फुहार के साथ नई उम्मीदें बोते थे और हर बार कर्ज़ के बोझ तले कुछ और टूटकर लौटते थे।

वीरेन्द्र खुद से पूछता क्या वह वास्तव में उनकी पीड़ा को शब्द दे पा रहा है? या वह केवल उनके दुखों को सुंदर, कलात्मक वाक्यों में सजाकर एक साहित्यिक उत्पाद बना रहा है? यह विचार उसे भीतर तक हिला देता। जब समाज के प्रबुद्ध लोग उससे कहते, वीरेन्द्र जी, आपने ग्रामीण जीवन का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है, तो उसके भीतर का रचनाकार धीरे से फुसफुसाता क्या यह वास्तव में उनकी आवाज़ है, या उसकी कल्पना का एक सुविधाजनक विस्तार? क्या उसने उन औरतों के पसीने की गंध को सचमुच महसूस किया है, या उसने केवल उस गंध के बारे में एक 'सुंदर' गल्प लिख दिया है? यह नैतिक द्वंद्व एक साये की तरह उसके पीछे चलने लगा। उसे लगने लगा कि सौंदर्य और सत्य के बीच एक बारीक रेखा होती है, और वह शायद केवल सौंदर्य के पाले में खड़ा होकर सत्य का तमाशा देख रहा है।

समय के साथ उसका लेखन बदलने लगा। अब वह केवल घटनाएँ नहीं लिखता था। वह उनके पीछे छिपे मौन को पकड़ने की कोशिश करता। उसे समझ आने लगा था कि जो कहा गया है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण वह है जो अनकहा रह जाता है।

एक शाम वह शहर के एक पुराने पुस्तकालय में बैठा था। वहाँ की हवा में पुरानी जिल्दों, धूल और वक्त की एक मिली-जुली महक थी। ऊँची लकड़ी की अलमारियों में बंद हजारों किताबें जैसे अपने-अपने समय की गवाही दे रही थीं। बाहर डूबती हुई धूप की पीली किरणें खिड़की के कांच से छनकर फर्श पर एक टेढ़ा-मेढ़ा आकार बना रही थीं।

वीरेन्द्र अपनी डायरी में किसी नई कहानी के शुरुआती वाक्य को लेकर जूझ रहा था। उसे लग रहा था कि शब्द उसके वश में नहीं आ रहे। तभी एक बहुत ही वृद्ध व्यक्ति, जिनके चेहरे पर अनुभवों की गहरी लकीरें थीं, उनके पास आकर बैठ गए।

उन बुजुर्ग ने बिना कुछ कहे वीरेन्द्र की डायरी के बिखरे पन्नों को कुछ देर तक देखा, फिर एक धीमी लेकिन असरदार मुस्कान के साथ बोले, तुम वीरेन्द्र हो न? मैंने तुम्हारी कुछ कहानियाँ पढ़ी हैं।

वीरेन्द्र थोड़ा झेंप गया और संकोचवश अपनी डायरी बंद करने लगा। बुजुर्ग ने उसका हाथ रोक लिया और कहा, घबराओ मत। तुम्हारे पास अब काफी कहानियाँ इकट्ठी हो गई हैं। क्यों न इन्हें एक संग्रह का रूप दे देते?

वीरेन्द्र चुप रहा। बुजुर्ग ने आगे कहा- याद रखना बेटा, एक किताब सिर्फ लेखक का सपना नहीं होती। वह उसके समय की गवाही होती है। अगर तुम नहीं लिखोगे, तो यह समय यूँ ही गुज़र जाएगा।

उनकी यह बात वीरेन्द्र के भीतर कहीं गहराई तक उतर गई। उसने अब तक लेखन को एक व्यक्तिगत अभिव्यक्ति या छोटी-मोटी प्रशंसा का माध्यम माना था, लेकिन उस बुजुर्ग ने उसे एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी का अहसास करा दिया था। लेकिन इसी जिम्मेदारी के साथ एक नया डर भी जाग उठा। किताब छपना एक सुखद कल्पना तो थी, पर क्या वह इस भारी बोझ को उठाने के लिए तैयार था? क्या उसकी कहानियाँ इतनी सामर्थ्यवान थीं कि वे आने वाली पीढ़ियों के सामने उसके समय का प्रतिनिधित्व कर सकें?

घर लौटकर उसने अपने पुराने लेखन को समेटना शुरू किया। कंप्यूटर की वर्ड फाइलों में बिखरी कहानियाँ, पुरानी नोटबुक्स के पीले पड़ चुके पन्ने के पीछे लिखे हुए आधे-अधूरे विचार-सब धीरे-धीरे एक पांडुलिपि की शक्ल लेने लगे।

हर कहानी उसे अपने एक बच्चे की तरह लगती थी, जिसे वह अब दुनिया के क्रूर और आलोचनात्मक बाज़ारों में छोड़ने जा रहा था। किसी कहानी में उसके गाँव की कच्ची सड़कों की धूल उड़ने लगती, तो किसी में शहर की तन्हाई का दम घोंटू अहसास था। कहीं खेतों में लहलहाती फसल की महक थी, तो कहीं बस अड्डों पर खड़ी बसों के पीछे छूटती उदासी। जब उसने आखिरकार वह पांडुलिपि एक प्रतिष्ठित प्रकाशक को भेजी, तो उसका मन दो विपरीत दिशाओं में खिंचने लगा। एक तरफ एक उजली उम्मीद थी कि अब उसके शब्द एक जिल्द के भीतर सुरक्षित हो जाएंगे, उन्हें एक घर मिल जाएगा। दूसरी तरफ एक डरावना संदेह था कि कहीं यह किताब बाज़ारवाद की भेंट न चढ़ जाए, कहीं यह किसी अंधेरे गोदाम के कोने में धूल फांकती न रह जाए।

प्रकाशक के साथ होने वाली ईमेल वार्ता, फोन कॉल उसे किसी अग्नि-परीक्षा की तरह लगते। कुछ महीनों बाद जब पहली बार 'प्रूफ' की कॉपी उसके पास आई, तो वीरेन्द्र को एक विचित्र अनुभव हुआ। उसे अपनी ही लिखी रचनाओं में हज़ारों कमियाँ नज़र आने लगीं। कहीं शब्द गलत लगा, तो कहीं अंत कमजोर लगा।

किसी कहानी का शीर्षक उसे अचानक बेतुका लगने लगा। उसे लगा कि एक शब्द गलत इस्तेमाल हुआ है, जो पूरी संवेदना को ही बदल रहा है। वह घंटों बैठकर हर पंक्ति को सुधारता। वह शब्दों की काट-छाँट ऐसे करता जैसे कोई माँ अपने बच्चे के फटे हुए कपड़ों को बड़े जतन से रफू कर रही हो। उसे डर था कि उसकी एक छोटी सी लापरवाही उन लोगों के साथ अन्याय होगी जिनके जीवन पर उसने यह कहानियाँ लिखी हैं।

फिर वह दिन आया जब किताब अंतिम रूप से प्रेस में चली गई। और यहीं से शुरू हुआ इंतज़ार का वह लंबा दौर। इन दिनों वीरेन्द्र की आँखों से नींद जैसे कोसों दूर चली गई थी। वह अक्सर रात के दो-तीन बजे उठकर खिड़की के पास बैठ जाता और बाहर पसरी सुनसान सड़क को देखता। उसे महसूस होता जैसे उसके पात्र वे बूढ़े किसान, वे झुलसी पीठ वाली औरतें, वे उदास बच्चे उस अँधेरी सड़क पर भटक रहे हैं और अपनी मुक्ति का इंतज़ार कर रहे हैं। उसे डर लगता कि कहीं यह किताब उन्हें कागज़ के पन्नों के बीच कैद न कर दे। क्या उन्हें सचमुच वह जीवन दे पाएगा जिसका वादा उसने अपनी कलम से किया था? या वह भी एक और सफल लेकिन खोखला लेखक बनकर रह जाएगा?

एक सुबह, जब ओस की बूंदें अभी पत्तों पर सोई ही थीं, उसके दरवाज़े पर एक ज़ोरदार दस्तक हुई। वीरेन्द्र ने दरवाज़ा खोला तो देखा कि डाकिया एक आयताकार पैकेट लिए खड़ा था। पैकेट पर प्रकाशक का नाम देखते ही वीरेन्द्र के हाथ काँपने लगे। उसने बहुत ही सावधानी से पैकेट को खोला, जैसे उसके भीतर कोई बहुत नाज़ुक चीज़ रखी हो। पैकेट खुलते ही ताज़े कागज़, स्याही और गोंद की वह विशिष्ट महक कमरे में तैर गई जो केवल नई किताबों से आती है। पहली बार उसकी किताब उसके हाथों में थी।

मुखपृष्ठ पर अपना नाम लेखक के रूप में देखकर वीरेन्द्र की आँखों के सामने अमर उजाला की वह पहली कविता कौंध गई। उसने काँपते हाथों से किताब के पन्नो को पलटने लगा। उसने पहली कहानी पढ़ी, फिर दूसरी। उसे लगा जैसे उसके शब्द अब उसके नहीं रहे, वे अपनी स्वतंत्र सत्ता पा चुके हैं। उसकी आँखों के कोरों में नमी उतर आई। वह फूट-फूटकर रोया नहीं, लेकिन उसके भीतर जो एक बेचैनी थी, जो एक द्वंद्व था, वह अचानक शांत हो गया। उसे लगा कि उसने एक बहुत लंबी और थका देने वाली दौड़ का पहला पड़ाव पार कर लिया है। अब वह केवल एक लेखक नहीं था, वह एक आवाज़ था।

उस शाम जब पूरे घर में एक गरिमामय सन्नाटा पसरा था, वीरेन्द्र ने उस किताब को अपनी मेज़ के ठीक बीचों-बीच रखा और घंटों उसे देखता रहा। चाँद की दूधिया रोशनी खिड़की से भीतर आकर किताब के कवर पर लिखे उसके नाम को चमका रही थी। तभी उसे एक बिल्कुल नए और मौलिक सत्य का अहसास हुआ। उसने महसूस किया कि किताब का छपना मंज़िल नहीं है। यह तो केवल उस यात्रा का एक नया मोड़ है। लेखक होने का असली अर्थ केवल पन्नों पर नाम छपवाना नहीं है, बल्कि उस निरंतर जिम्मेदारी को ढोना है जो उन लोगों के प्रति है जो खुद नहीं बोल सकते।

उसने अपनी वह पुरानी, फटी हुई नोटबुक दोबारा खोली और एक नया पन्ना पलटा। उसने फिर से लिखना शुरू किया। लेकिन इस बार उसके शब्दों में कोई दिखावा नहीं था, कोई कृत्रिम सौंदर्य नहीं था। इस बार वह उन लोगों के बारे में लिख रहा था जिनकी कहानियाँ उसने किताब में कह दी थीं, लेकिन जिनका जीवन अभी भी उसी संघर्ष में फंसा था। उसे समझ में आ गया था कि लेखक का असली पुरस्कार उसकी किताब की 'रॉयल्टी' या 'प्रशंसा' नहीं है, बल्कि वह ईमानदारी है जिससे वह समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की आँखों में झाँक सके।

उस रात वीरेन्द्र का वह छोटा सा कमरा एक पाठशाला बन गया था। एक ऐसी जगह जहाँ वह अपनी पिछली गलतियों से सीख रहा था और एक नई, अधिक मानवीय दुनिया की नींव रख रहा था। उसने जान लिया था कि शब्द कभी मरते नहीं हैं। वे केवल समय की चादर ओढ़कर सो जाते हैं और जब कोई सच्चा रचनाकार उन्हें अपनी संवेदना की गर्मी देता है, तो वे फिर से जी उठते हैं। लेखक की मृत्यु तब नहीं होती जब उसकी सांसें रुकती हैं, बल्कि तब होती है जब वह सच लिखना छोड़ देता है। वीरेन्द्र ने अपनी कलम उठाई और उस अनंत यात्रा की ओर चल पड़ा जहाँ शब्द केवल शब्द नहीं, बल्कि मनुष्यता का बचा हुआ हिस्सा थे। उसे अहसास हुआ कि इसी बदलते रूप और निरंतर संघर्ष में एक लेखक का बार-बार पुनर्जन्म होता है।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

सार्थक

जीवन मानो एक दौड़ है। जिस किसी से पूछो, कहता है; वह दौड़ना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है। फिर बताता है कि अब तक जीवन में कितना आगे बढ़ चुका है। अलबत्ता कभी विचार किया कि आगे यानी किस ओर बढ़ रहे हैं? मनुष्य प्रतिप्रश्न दागता है कि यह कैसा निरर्थक विचार है? स्वाभाविक है कि जीवन की ओर बढ़ रहे हैं। सच तो यह है कि प्रश्न तो सार्थक ही था पर मनुष्य का उत्तर नादानी भरा है। जीवन की ओर नहीं बल्कि मनुष्य मृत्यु की ओर बढ़ रहा होता है।

भयभीत या अशांत होने के बजाय शांत भाव से तार्किक विचार अवश्य करना चाहिए। मनुष्य चाहे न चाहे, कदम बढ़ाए, न बढ़ाए, पहुँचेगा तो मृत्यु के पास ही। मनुष्य के वश में यदि पीछे लौटना होता तो वह बार-बार लौटता, अनेक बार लौटता, मृत्यु तक जाता ही नहीं, फिर लौट आता, चिरंजीवी होने का प्रयास करता रहता।

स्मरण रखना, मृत्यु का कोई एक गंतव्य नहीं है, बल्कि यात्रा का हर चरण मृत्यु का स्थान हो सकता है, मृत्यु का अधिष्ठान हो सकता है। विधाता जानता है मनुष्य की वृत्ति, यही कारण है कि कितना ही कर ले जीव, पीछे लौट ही नहीं सकता। जिज्ञासा पूछती है कि लौट नहीं सकते तो विकल्प क्या है? विकल्प है, यात्रा को सार्थक करना।

सार्थक जीने का कोई समय विशेष नहीं होता। मनुष्य जब अपने अस्तित्व के प्रति चैतन्य होता है, फिर वह अवस्था का कोई भी पड़ाव हो, उसी समय से जीवन सार्थक होने लगता है।

एक बात और, यदि जीवन में कभी भी, किसी भी पड़ाव पर मृत्यु आ सकती है तो किसी भी पड़ाव पर जीवन आरंभ क्यों नहीं हो सकता? इसीलिए कहा है,

कदम उठे,
यात्रा बनी,
साँसें खर्च हुईं
अनुभव संचित हुआ,
कुछ दिया, कुछ पाया
अर्द्धचक्र पूर्ण हुआ,
भूमिकाएँ बदलीं-
शेष साँसों को
पाथेय कर सको
तो संचय सार्थक है
अन्यथा
श्वासोच्छवास व्यर्थ है..!

ध्यान रहे, जीवन में वर्ष तो हरेक जोड़ता है पर वर्षों में जीवन बिरला ही फूँकता है। आपका बिरलापन प्रस्फुटन के लिए प्रतीक्षारत है।

बोध कथा

विद्या का फल

परीक्षा समाप्त हो चुकी और अज़ाज़ील शैतान बनाकर निकाला जा चुका तो अल्लाह ने आदम को आज्ञा दी कि तुम ज़न्नत में निवास करो और उसमें से जो कुछ तुम्हें पसन्द आए खाओ, लेकिन इस एक वृक्ष के समीप कभी न जाना, नहीं तो तुम अन्यायी हो जाओगे। यह वृक्ष विद्या का था, जिसके फल खाने से बुरे-भले की पहचान होती है। आदम ज़न्नत में प्रविष्ट हो गया तो खुदा ने कहा-यह अच्छा नहीं कि आदम अकेला रहे, मैं उसके लिए एक साथी उसके योग्य बनाऊँगा। और खुदा ने आदम को बहुत गहरी नींद में सुला दिया। आदम सो रहा था तो खुदा ने उसकी पसलियों में से एक पसली निकाली और उसके बदले गोश्त भर दिया। इस पसली से खुदा ने एक औरत बनाई और उस औरत को आदम के पास लाया। कहते हैं कि पुरुषों के शरीर में स्त्रियों के शरीर से एक पसली इसीलिए कम होती है कि आदम की वह पसली निकाल ली गई थी। पसली से बनी औरत को देखकर आदम ने कहा कि यह मेरी हड्डियों में से हड्डी और मेरे गोश्त में से गोश्त है इसलिए यह नारी कहलाएगी क्योंकि यह नर में से निकाली गई है। आदम की स्त्री को हौवा' इसलिए ही कहा जाता है कि वह 'हय्यन' अर्थात जिन्दे पुरुष से पैदा की गई है!

शैतान खुदा के दरबार से निकाल दिया गया तो उसकी आँखें उसकी छाती पर आ गईं और वह मन-ही-मन कोई उपाय सोचने लगा, जिससे कि हज़रत आदम को जन्नत ने निकाला जा सके। सोचते-सोचते जब उसे यह मालूम हुआ कि आदम को एक वृक्ष के फल खाने से रोक दिया गया है, तो वह बड़ा प्रसन्न हुआ और सोचने लगा-अब मुझे वहाँ पहुँचकर शीघ्र ही छापा मारना चाहिए। वह मंत्र के द्वारा तुरन्त जन्नत के फाटक पर पहुंचा और दहाड़ मार-मार रोने लगा। उसका रोना मोर ने सुन लिया। वह यह समझकर कि किसी फरिश्ते पर मुसीबत आ गई, सहायता करने के लिए उसके पास दौड़ा आया और उसके रोने का कारण पूछने लगा। शैतान ने कहाभाई, मैंने सुना है कि ज़न्नत बहुत खूबसूरत और देखने लायक जगह है, इसलिए मेरा मन उसे देखने को चाहता है। अगर किसी तरह आप मुझे वहाँ की सैर करा दें तो मैं आपका बड़ा एहसानमंद हूँगा और आपको जादू-टोने की विद्या भी सिखला दूंगा।

मोर ने उत्तर दिया-आप घबराइये नहीं। आजकल ज़न्नत के फाटक का दरबान साँप है; और वह मेरा बड़ा निकट का मित्र है। मैं जरूर आपके ज़न्नत देखने का इन्तज़ाम कर दूंगा। यह कहकर और उसे साथ लेकर वह सीधा ज़न्नत के फाटक पर आया और साँप से कहा-यह मेरे मित्र हैं। आप कृपा करके इन्हें ज़न्नत दिखला दीजिए। साँप ने कहा-ज़न्नत के फाटक में तो किसी को पाँव रखने की आज्ञा भी नहीं है, इसलिए मैं आपकी आज्ञा का पालन करने में असमर्थ हूँ।

यह सुनकर शैतान बोल उठा-यदि आप मुझ पर कृपा करना चाहें तो मैं आपको ऐसी तरकीब बतला सकता हूँ जिससे आप पर किसी प्रकार का आरोप भी न लगाया जा सके और काम भी हो जाए। वह तरकीब यह कि मैं आपके मुँह में बैठकर फाटक को लाँघ जाऊँगा। आपको कसम खाने के लिए जगह रह जाएगी कि मैंने सिवाय अपने, किसी को फाटक में कदम भी नहीं रखने दिया। साँप की समझ में यह बात आ गयी और शैतान उसके मुँह में बैठकर दरवाजे के पार हो गया। साँप तो फिर अपनी जगह आ डटा और शैतान घूमता-फिरता आदम और हौवा के पास जा पहुँचा। उनसे कुछ देर इधर-उधर की बातें करने के बाद उसने पूछा-तुम उस वृक्ष का फल क्यों नहीं खाते?

उन्होंने उत्तर दिया-हमारे प्रभु ने मना कर रखा है। तब शैतान ने बड़े विस्मय के साथ पूछा-अल्लाह ने मना कर रखा है? उन्होंने उत्तर दिया-हाँ। फिर शैतान बोला-अगर तुम इस वृक्ष के फल को खा लो तो निःसन्देह फरिश्तों की भाँति सदा-सदा के लिए अमर हो जाओ। उन्हें इस बात पर विश्वास न आया, इसलिए उन्होंने कहा-हम अपने प्रभु की आज्ञा का उल्लंघन नहीं कर सकते।

तब शैतान ने खुदा की कसम खाकर कहा-मैं सच कहता हूँ कि तुम फल खाने से जरूर ही मृत्यु के भय से बच जाओगे और खुदा को तुम्हारी यह बात भी मालूम न होगी। कसम खाने पर उन्हें विश्वास आ गया, क्योंकि उस समय कोई भी झूठी कसम न खाता था। शैतान के चकमे में आकर उन्होंने फल को तोड़कर खा लिया। बस, फिर क्या था-शैतान हँसी के मारे लौट-पोट हो गया और यह कहता हुआ फाटक से बाहर हो गया कि मैंने आदम को गुमराह करने की जो प्रतिज्ञा की थी, उसे पूरा कर दिया। अब इसी तरह औरों को भी गुमराह किया करूँगा, क्योंकि जब मेरा छापा अल्ला मियाँ की ज़न्नत में ही लग गया तो फिर दुनिया का तो कहना हो क्या? उधर फल खाते ही आदम और हौवा की ज्ञान की आँखें खुल गईं और उन्हें मालूम होने लगा कि हम बिलकुल नंगे हैं और इस तरह नंगे रहना उचित नहीं है। अपने अंगों को ढकने के लिए वे वृक्षों के पत्ते तोड़ने दौड़े, लेकिन उनके बाल खजूर के वृक्षों जितने लम्बे थे इसलिए वे दूसरे वृक्षों में उलझ गये।

वीर गाथा

लांस नायक विकास चौधरी: गोलियों की बौछार में आगे बढ़कर आतंकवादी को किया धराशायी

लांस नायक विकास चौधरी का जन्म हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मरियारी गांव में हुआ था। माता सिमरो देवी और पिता राजकुमार के बेटे विकास ने आतंकवाद-रोधी अभियान में असाधारण साहस दिखाया था। वे जम्मू-कश्मीर राइफल्स में भर्ती हुए थे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की तीसरी बटालियन में भेज दिया गया।

भारतीय सेना को 6 मई, 2022 को आतंकवादियों के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद अनंतनाग जिले के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान मेजर अपूर्व सुहास के नेतृत्व में विकास चौधरी भी तैनात थे।

दोपहर लगभग 3 बजे, एक आतंकवादी ने भागने की कोशिश की। साथ ही, जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय लांस नायक विकास चौधरी ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अद्भुत साहस दिखाया। उन्होंने गोलीबारी की और आतंकवादियों पर दबाव बनाया। उसके बाद रेंगते हुए आगे बढ़ने लगे।

लांस नायक विकास चौधरी ने सैन्य सूझबूझ दिखाई। उन्होंने अपने साथी की ओर संकेत किया, जिसके बाद उसने गोलीबारी कर विकास के लिए आगे बढ़ने का रास्ता बनाया। उधर, आतंकवादियों को पता ही नहीं चला कि विकास उनके बिल्कुल निकट पहुंच गए हैं। विकास चौधरी एक आतंकवादी की ओर बढ़े, उसे निशाने पर लिया और धराशायी कर दिया। बाद में पता चला कि मारा गया आतंकवादी बहुत खतरनाक शख्स था। वह अनेक देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त था। लांस नायक विकास चौधरी ने असाधारण शौर्य और साहस का प्रदर्शन करते हुए वीरता की मिसाल कायम की। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

राम गोपाल वर्मा अगले महीने शुरू करेंगे 'सरकार 4' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक और निर्माता राम गोपाल वर्मा एक बार फिर अपनी चर्चित फिल्म के नए पार्ट के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। निर्देशक ने बताया कि वह अपनी पॉलिटिकल क्राइम फ्रेंचाइजी 'सरकार' के पार्ट 'सरकार 4' की शूटिंग अगले महीने से शुरू करने वाले हैं।

यह जानकारी उन्होंने मुंबई में आयोजित रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दी। 'सरकार' फ्रेंचाइजी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। इसके पहले भी कई पार्ट्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। ऐसे में 'सरकार 4' की घोषणा ने दर्शकों के बीच नई उत्सुकता पैदा कर दी है। निर्देशक ने इस मौके पर अपने पुराने अनुभवों और फिल्म के बारे में भी बात की।दरअसल, राम गोपाल वर्मा फिल्म फेस्टिवल में अपनी चर्चित फिल्म 'शिवा' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे थे।

फेस्टिवल में जब इस फिल्म को फिर से दिखाया गया, तो निर्देशक ने इसके निर्माण से जुड़ी कई यादें साझा कीं।उन्होंने बताया, ''इस फिल्म को बनाने के लिए मैं कई अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों से प्रेरित था।

प्रदर्शन

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पंढेर ने विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मीडिया को संबोधित किया। पंजाब के किसान लगातार अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में अमेरिका अपने अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डरहम। अमेरिका के लोगों की दुनिया के भूगोल के बारे में कम समझ होने की छवि रही है और मौजूदा अमेरिकी प्रशासन भी इससे अलग नहीं है, खासकर जब सही ढंग से पहचानने की बात आती है कि अमेरिका की भौगोलिक सीमा में कौन सा क्षेत्र आता है और कौन-सा नहीं है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रैल 2025 का सरकारी आदेश, ''अमेरिका के अपतटीय महत्वपूर्ण खनिजों का पता लगाना'', इसका एक उदाहरण है। इसका उद्देश्य अमेरिकी अधिकार क्षेत्र के भीतर और उससे बहुत दूर स्थित समुद्री तल के खनिजों का ''पता लगाना'' है। अमेरिका के समुद्र तल में पाये जाने वाले खनिज अमेरिका के हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल पर पाए जाने वाले खनिज ''अमेरिका के'' नहीं हैं। फिर भी, प्रशासन कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में खनन करने की अनुमति देने की योजना बना रहा है। मैंने 1994 में समुद्री कानून के लागू होने के बाद से महासागरों को नियंत्रित करने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौतों और नियमों का अध्ययन किया है।

अमेरिका आधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुरक्षित करने का प्रयास कर रहा है। इन सामग्रियों में बड़ी बैटरियों के लिए निकेल, मैंगनीज और कोबाल्ट तथा बिजली ग्रिड के लिए तांबा शामिल हैं। ये सभी भूमि पर पाए जाते हैं, लेकिन इनमें से कुछ समुद्र की तलहटी में भी पाए जा सकते हैं। विशेष रुचि के विषय हैं पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स आलू से भी छोटे आकार के समूह, जिनमें मैंगनीज और अन्य धातुएं होती हैं और जो गहरे समुद्र तल की गाद में पाए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के एक खनन अधिकारी ने इन पिंडों को ''चट्टान में लगी इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी'' के रूप में वर्णित किया। सितंबर 1945 में, राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने अमेरिका के तटों से लेकर समुद्र तल तक फैले एक बड़े हिस्से पर अपना दावा जताया था। ये क्षेत्र ट्रूमैन के दावे से पहले अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा थे। इसके जवाब में, दुनियाभर के देशों ने अगले पांच दशकों में एक ऐसी प्रणाली तैयार करने में समय लगाया जिससे यह सीमित हो सके कि तटीय देश समुद्र तल के कितने हिस्से पर दावा कर सकते हैं, और महासागरों के शेष साझा क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले नियम स्थापित किए जा सकें।

अमेरिका में आज दुनिया के सबसे बड़े विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। इन क्षेत्रों में, अमेरिका समुद्री तल के खनिजों समेत सजीव और निर्जीव प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और प्रबंधन को नियंत्रित करता है।

ट्रंप का अपतटीय खनन आदेश 1980 में अधिनियमित एक अमेरिकी कानून पर आधारित है, जिसे क्षेत्र से संबंधित वार्ताओं के पूरा होने तक एक अंतरिम उपाय के रूप में लागू किया गया था। अमेरिका समुद्री कानून संधि का पक्षकार नहीं है, इसलिए वह इस संधि से बाध्य नहीं है।

लेकिन विशेषज्ञों में इस बात को लेकर मतभेद है कि क्या अमेरिका द्वारा एकतरफा खनन से अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों से उत्पन्न दायित्वों का उल्लंघन होगा। हां, अमेरिका को आवश्यक खनिजों की आवश्यकता है, लेकिन इन खनिजों को हासिल करने के लिए उसे अंतरराष्ट्रीय महासागरीय व्यवस्था को कमजोर नहीं करना चाहिए एक ऐसी व्यवस्था जिसे उसने स्वयं बनाया है और जिससे उसे शायद किसी भी अन्य राष्ट्र से अधिक फायदा मिलता है।

विजेता

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शनिवार को मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका। वे अपने साथ खउउ टी20 विश्व कप 2026 की ट्रॉफी भी लेकर आए थे और जीत के लिए आभार व्यक्त किया।

सस्ती, अच्छी शिक्षा के चलते भारतीय छात्रों का यूरोप, सिंगापुर की ओर रुझान बढ़ा: रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के कारण भारतीय छात्र तेजी से स्पेन, जर्मनी, सिंगापुर, यूएई और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को पढ़ाई के लिए चुन रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

शिक्षा क्षेत्र पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ऑक्सिलो फिनसर्व की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अब भी भारतीय छात्रों के लिए काफी आकर्षक बने हुए हैं, खासकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए। हालांकि, अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अन्य देशों को भी तेजी से अपने विकल्प के रूप में चुन रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इस बदलाव के पीछे कम लागत, अच्छे शिक्षण संस्थान, वीजा के आसान नियम, प्रशिक्षण और नौकरी के बेहतर अवसर तथा छात्रों की सुरक्षा जैसे कुछ कारण हैं।

ऑक्सिलो फिनसर्व में विदेशी शिक्षा ऋण से जुड़ी मुख्य अधिकारी श्वेता गुरु ने कहा कि आज भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई के मामले में अधिक व्यावहारिक हो गए हैं और वे खर्च के बदले मिलने वाले लाभ को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्पेन, जर्मनी और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पढ़ाई के लिए मांग तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि वहां अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा, कम खर्च, स्पष्ट वीजा प्रक्रिया और पढ़ाई के बाद रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं, खासकर स्नातकोत्तर स्तर और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों में।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोप के कई नए शिक्षा केंद्रों में वर्ष 2023 से 2025 के बीच लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार इन देशों में पढ़ाई का कुल खर्च लगभग 18 से 40 लाख रुपए प्रति वर्ष है, जबकि ब्रिटेन जैसे पारंपरिक देशों में यह 60 से 90 लाख रुपए प्रति वर्ष तक पहुंच जाता है। वहीं जर्मनी, स्पेन और अन्य उभरते देशों में पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी मिलने में औसतन छह से नौ महीने लगते हैं, जबकि पारंपरिक देशों में यह समय नौ से 15 महीने तक हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन देशों में शुरुआती वेतन लगभग 25 से 45 लाख रुपए सालाना होता है, जबकि पारंपरिक देशों में यह 45 से 75 लाख रुपए तक हो सकता है।

वेब सीरीज 'सतरंगी' के ऐलान के साथ छलका अभिनेत्री महवश का दर्द

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हर हफ्ते नई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज हुआ करती हैं। कुछ आते ही लोगों के दिलों में घर कर लेती हैं, जबकि कुछ के बारे में पता ही नहीं चल पाता। इस बीच अभिनेत्री महवश आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी' लेकर आ रही हैं। महवश ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट में उन्होंने सीरीज की टीम और बीटीएस तस्वीरें शामिल की हैं। अभिनेत्री ने लिखा, मैं अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी' के जी5 पर स्ट्रीम होने की घोषणा कर रही हूं। बस आप सभी का ढेर सारा प्यार और दुआएं चाहिए। महवश ने शूटिंग के दौरान कड़ी मेहनत और जिंदगी की उथल-पुथल का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, मैंने ऐसे कई दिन और रातें देखी हैं, जिन्हें याद करना भी नहीं चाहती। कई बार दिल खोलकर रोई, लेकिन हर पल कड़ी मेहनत की ताकि आज इस मुकाम तक पहुंच सकूं। उन्होंने आगे लिखा, हर इंसान अपनी जिंदगी की परेशानियों से लड़कर आगे बढ़ रहा है। कोई कितना भी बता सकता है, लेकिन हर छोटी खुशी, हर नया प्रोजेक्ट और वो मौका जहां हम मम्मी-पापा को गर्व महसूस करा सकें, ये सब बहुत मायने रखता है। महवश ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, आप लोगों ने हमेशा मेरा साथ दिया, शायद इसलिए कि आपको मुझमें अपने जैसा कुछ दिखता है। इसके लिए दिल से धन्यवाद। ट्रोल्स क्या कहते हैं या मीम पेज क्या दिखाते हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी सच्चाई और कहानी सिर्फ हमें पता है।

उन्होंने पोस्ट के आखिरी में लिखा, हम आगे बढ़ते रहेंगे और किसी को भी हमें रोकने नहीं देंगे। चलो टीम महवश, आगे बढ़ते हैं। इस सीरीज को जी5 पर स्ट्रीम किया जाएगा। हालांकि महवश ने सीरीज के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। अब देखना होगा कि सीरीज को कब स्ट्रीम किया जाएगा। महवश एक प्रसिद्ध भारतीय रेडियो जॉकी, यूट्यूबर, कंटेंट क्रिएटर और निर्माता हैं और सोशल मीडिया पर आरजे महवश के नाम से मशहूर हैं। इसी के साथ कुछ वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं और फिल्म 'सेक्शन 108' की निर्माता भी हैं।

एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में सुपरहीरो पर आधारित कहानियां हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। इस कड़ी में अब एक ऐसी फिल्म आने वाली है, जिसमें सुपरहीरो का अंदाज बिल्कुल अलग और अनोखा होगा। अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म 'सुपर वेली' में एक ऐसे सुपरहीरो का किरदार निभाने जा रही हैं, जो सुपरहीरो की पावर को गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। फर्स्ट लुक के वीडियो से साफ जाहिर है कि इस फिल्म में उनका किरदार थोड़ा आलसी, अजीब और मजाकिया अंदाज वाला है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने मजाक में कहा था कि 'मैं वेली हूं।' आम बोलचाल की भाषा में 'वेली' शब्द का मतलब होता है कि कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास करने के लिए कोई काम न हो या जो खाली बैठा हो। उनके इस वीडियो को कुछ यूजर्स ने गलत तरीके से समझ लिया और कहने लगे कि अदा शर्मा के पास काम नहीं है और वह खाली बैठी हैं। लेकिन अब, जब अदा शर्मा ने फिल्म के टाइटल का खुलासा किया, तो लोगों को समझ आया कि वह अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं। फर्स्ट लुक वीडियो में वह अपने किरदार के बारे में बताती दिख रही है, वह कहती है, ''मेरा नाम 'वेल्ली' नहीं 'वेली' है, लेकिन आप मुझे वेल्लीविजिलक्ष्मी कृष्णमूर्ति चंद्रशेखरानवामी अय्यर कह सकते हैं।'' वह आगे बताती है कि वह एक्रोमैटोप्सिया है यानी कलर ब्लाइंड.. इससे पीड़ित इंसानों को दुनिया केवल काले, सफेद और ग्रे कलर में दिखाई देती है।

मेरा दिल कृतज्ञता से भरा है : आदित्य धर

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों ने उनके काम पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए वह गहरी कृतज्ञता महसूस करते हैं।

धर की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' रिलीज के लिए तैयार है। निर्देशक ने बृहस्पतिवार को अपना 43वां जन्मदिन मनाया और अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने अपनी टीम और प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ''मैं अपना जन्मदिन 'धुरंधर: द रिवेंज' को अंतिम रूप देने में बिताते हुए एक पल ठहरकर बीते असाधारण साल को याद कर रहा हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज यहां बैठकर मैं गहरी कृतज्ञता से भर गया हूं इस पूरी यात्रा के लिए, उस टीम के लिए जो हमेशा मेरे साथ चलती रही, और उन सभी लोगों के लिए जिन्होंने वर्षों से मेरे काम पर भरोसा जताया है।''

फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने कहा कि उनका दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है और दर्शकों का भरोसा उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप सभी के संदेश, टवीट, स्टोरीज़ और 'आदित्य धर' मीम्स में की गई बारीकियों को पढ़कर मेरा दिल भर आया है। काश मैं आप में से हर एक को व्यक्तिगत रूप से जवाब दे पाता, लेकिन कृपया यह जान लें कि मैं आपके प्यार और प्रोत्साहन को दिल से महत्व देता हूं। उन्होंने कहा, मैं इनमें से किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं लेता। एक ऐसे उद्योग में जहां कुछ भी तय नहीं होता और हर फिल्म विश्वास की एक छलांग होती है, वहां दर्शकों का भरोसा ही सब कुछ होता है। अगर इस साल ने मुझे कुछ सिखाया है, तो वह यह है कि अपने सपनों पर विश्वास कभी नहीं खोना चाहिए, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों।

ईमानदारी के साथ काम करें, अपने काम में अपनी पूरी ताकत लगा दें, तो उसका सकारात्मक परिणाम निकलेगा। भरोसा रखें कि हर छोटा कदम और हर संघर्ष हमें धीरे-धीरे वहीं ले जा रहा है, जहां हमें होना चाहिए।

धर की फिल्म 'धुरंधर' दिसंबर 2025 में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अभिनीत इस फिल्म में कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित गुप्त खुफिया अभियानों की कहानी दिखाई गई है।

पर्दे पर रोमांस और सेट पर तनाव, जब राजेश खन्ना के साथ काम कर परेशान हो गई थीं फरीदा जलाल

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में कदम रखने से पहले हर किसी का सपना होता है, पर्दे पर मुख्य अभिनेत्री बनने और बड़े सुपरस्टार के साथ चमकने का, लेकिन जरूरी नहीं है कि जो सोचा जाए, वो मिले ही। भाग्य कहां ले जाए, कहा नहीं जा सकता है और ऐसा ही हुआ 60 के दशक से लेकर आज तक हिंदी सिनेमा पर अपनी प्यारी मुस्कान से राज करने वाली फरीदा जलाल के साथ। राजेश खन्ना के साथ करियर शुरू किया लेकिन वो पहचान नहीं बना पाई, जो एक मुख्य अभिनेत्री को मिलती है। 14 मार्च को जन्मीं फरीदा जलाल का बचपन का सपना था कि वे अभिनेत्री ही बनें क्योंकि उनके घरवालों ने छोटी उम्र में ही उनकी शादी तय कर दी थी। रूढ़िवादी परिवार की बंदिशों को तोड़ते हुए अभिनेत्री ने कम उम्र में ही हिंदी सिनेमा में कदम रख पहचान बनाने की राह चुन ली थी, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि फरीदा और राजेश खन्ना का फिल्मी करियर एक स्टेज से शुरू हुआ था। राजेश खन्ना और फरीदा जलाल 1965 में फिल्मफेयर के 'यूनाइटेड प्रोड्यूसर्स टैलेंट हंट' के फाइनलिस्ट थे और दोनों को फिल्मफेयर ने चुना था। उस वक्त फरीदा और राजेश खन्ना दोनों ही नहीं जानते थे कि यह रिश्ता आगे

जाकर बहुत गहरा होने वाला है। राजेश खन्ना को 'खत' फिल्म मिली और फरीदा जलाल को 'तकदीर'। दोनों ने अलग-अलग फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन डायमंड जुबली फिल्म 'आराधना' में राजेश खन्ना और फरीदा जलाल के रोमांस ने पर्दे पर नया आयाम गढ़ दिया था। फिल्म का गाना 'बागों में बहार है' आइकॉनिक गानों में शुमार है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पर्दे पर रोमांस करने वाले अरुण और रेनू सेट पर एक-दूसरे से ठीक से बात तक नहीं करते थे?

फरीदा जलाल ने खुद इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उस वक्त काका पर सफलता का नशा था और किसी नए आर्टिस्ट के साथ काम करना उन्हें गंवारा नहीं था। वह सेट पर बात करते थे और डायलॉग में गलती व रिहर्सल में फरीदा को डांटने लगते थे। खुद फरीदा ने कहा था कि राजेश खन्ना के साथ उस फिल्म में काम करना आसान नहीं था लेकिन फिल्म की रिलीज व फिल्म के हिट होने के बाद दोनों की बातचीत हुई और देखते ही देखते कड़वाहट दोस्ती में बदल गई।

आलम यह रहा कि राजेश खन्ना फरीदा जलाल को छोटी कहकर बुलाने लगे। दोनों ने साथ में 1969 में आई 'भोला-भाला' और 'तलाश' में भी काम किया। राजेश खन्ना और फरीदा का रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वो सेट पर उन्हें परेशान करने लगीं। अभिनेता को सफेद कुर्ता-पजामा पहनने का बहुत शौक था और कुर्ते में दाग या सिलवट न पड़ जाए, ऐसे में वो किसी को अपने पास भटकने नहीं देते थे। हालांकि फरीदा जलाल उनके बालों के हेयरस्टाइल को खराब कर देती थी और अभिनेता कुछ कह नहीं पाते थे।

जब जीवन उलझा हो, तो शब्द ही जमीन देते हैं : लिसा रे

मुंबई/एजेन्सी

कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए कई मुद्दों पर अपनी राय रखती रहती हैं। शुक्रवार को उन्होंने एक खास नोट के जरिए बताया कि अभी वे अपनी आगामी कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर किया। इस नोट में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उन्होंने एक ऐसी शांत जगह बनाई थी, जहां वे अपनी कविताएं शेयर कर सकें। अभिनेत्री ने लिखा, मेरे लिए शब्द हमेशा से सहारा रहे हैं, जब जीवन उलझा हुआ लगता है, तो केवल भाषा ही मुझे स्थिर जमीन देती है। मैं अब धीरे-धीरे, निजी तौर पर कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हूं और अब लगता है कि इस हिस्से को सभी के सामने लाने का समय आ गया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि अंधेरे में लोग गीत गाते हैं, कला बनाते हैं और भाषा की मदद से उस भार को संभालते हैं, जो अकेले उठाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, मेरे दूसरे घर दुबई में हाल की घटनाओं को देखना बहुत कठिन रहा। यूएई के नागरिक अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं और वहां की नेतृत्व व्यवस्था अच्छी है, लेकिन अनिश्चितता, दोस्तों के संदेश और सबके सांस रोककर इंतजार करना बहुत भारी पड़ रहा है।

बता दें कि अपनी पोस्ट में लिसा ने एक कविता भी शेयर की, जो सुबह-सुबह उनके मन में आई। वहीं, अभिनेत्री ने बिना किसी बदलाव के इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि ये कविता खासतौर पर उन लोगों

के लिए है, जो अस्थिर परिस्थितियों में जी रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, मेरे पति का पालन-पोषण लेबनान में हुआ, जहां ऊपर से मिसाइलें गिरती रहती थीं। यह कविता उनके साहस, परिवार की दृढ़ता और दुनियाभर के उन परिवारों के लिए है, जिनकी सामान्य जिंदगी में सायरन की आवाज हमेशा शामिल रही है।

लिसा ने कविता की एक खास पंक्ति सभी के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, जब आप पंखुड़ियों की ओर हाथ बढ़ाते हैं और सिर गायब होता है। अभिनेत्री ने बताया कि ये पंक्ति उनकी बहन के आने वाले उपन्यास 'द फर्स्ट हाउस' से प्रेरित है। अभिनेत्री ने लिखा, कला एक-दूसरे से जुड़ती है और हम दूसरे के शब्दों से साहस लेते हैं।अंत में उन्होंने संदेश देते हुए लिखा, अगर समय अनिश्चितताओं से भरा है, तो इसका जवाब सृजन से दें, सहानुभूति से दें, और आवाज उठाकर दें। लिसा रे ने बताया कि उनकी कविता की किताब जल्द ही रिलीज होने वाली है। उन्होंने लोगों से इसे प्री-ऑर्डर करने की अपील की और कहा कि वे मानती हैं यह साल की सबसे चर्चित किताबों में से एक होगी।

इंडियन बैंक ने किया रिटेल, कृषि और एमएसएमई शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक ने चेन्नई में रिटेल, एग्रीकल्चर और एमएसएमई (आरएएम) अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य रिटेल, कृषि और एमएसएमई जैसे प्रमुख विकास क्षेत्रों में ग्राहकों तक बैंक की पहुंच को और अधिक बढ़ाना है। इस अभियान का उद्घाटन इंडियन बैंक के रिटेल एसेट्स और एमएसएमई के मुख्य महाप्रबंधक सुजय मलिक ने चेन्नई की फील्ड महाप्रबंधक पद्मावती श्रीकांत की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर रिटेल, कृषि और एमएसएमई श्रेणियों के अंतर्गत 2390 करोड़ के ऋण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें से 1451 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए।

बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन के प्रति रणनीतिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने और व्यक्तियों एवं लघु व्यवसाय समूहों को सफल होने के लिए आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के मिशन को आगे बढ़ाती है।

बैंक द्वारा विशेष रूप से शुरू किए गए इस अभियान के तहत खुदरा, कृषि और एमएसएमई ऋणों को अनुकूलित रूप से वितरित किया जाएगा, जिससे समुदायों को विकास के लिए आवश्यक संसाधन प्राप्त होंगे और राष्ट्र की व्यापक आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी।

सशक्तिकरण और कल्याणकारी पहलों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने एक सप्ताह तक चलने वाले समारोहों का समापन किया, जो लैंगिक समानता और कर्मचारियों के कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष एस. विश्वनाथन, और मुख्य सतर्कता अधिकारी एस. मुरली कृष्णन के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, पोर्ट ने कई प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनका उद्देश्य अपनी महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाना और उनमें नई ऊर्जा का संचार करना था।

वर्ष 2026 की वैश्विक थीम 'गिव टू गेन' (पाने के लिए देना) के अनुरूप, इन समारोहों में समग्र विकास के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ शामिल थीं। इस एक सप्ताह के कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष योग सत्र और मानसिक दृढ़ता पर एक समर्पित कार्यशाला शामिल थी, जिसने कर्मचारियों को गतिशील समुद्री वातावरण में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक साधन प्रदान किए।

शनिवार को समापन कार्यक्रम हुआ। जिसमें कई प्रतिष्ठित महिलाओं ने मुख्य भाषण दिए; इनमें डॉ. परवीन सुल्ताना भी शामिल थीं, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इन वक्ताओं ने अपनी प्रेरणादायक जीवन यात्राएँ साझा कीं और 'ब्लू इकोनॉमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था) में महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों की प्रतिभा और उनके योगदान को सम्मानित किया गया। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी एक सुरक्षित, सहायक और आरामदायक कार्यस्थल प्रदान करके, महिला कर्मचारियों की पूरी क्षमता का उपयोग करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के आदर्शों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

काहोकॉन के दसवें संस्करण का आयोजन 10 अप्रैल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। काहोकॉन 2026 के दसवें संस्करण का आयोजन आगामी 10 एवं 12 अप्रैल को चेन्नई में होगा। कोर्सेटियम ऑफ एन्क्रिडिटेड हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में ढाई हजार से अधिक स्वास्थ पेशेवर प्रशासक एवं नीति निर्माता भाग लेंगे जिसमें 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि और स्वास्थ सेवा विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। यह दक्षिण एशिया का पहला क्षेत्रीय सम्मेलन होगा इस सम्मेलन का विषय टेक टच ट्रस्ट द न्यू हेल्थ केयर कोड रखा गया है जिसमें रोगी सुरक्षा, सहायता और स्वास्थ्य गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाएगा।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक सत्र पैनल चर्चा पोस्टर प्रस्तुति और डेढ़ सौ स्टाल्स वाली प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। उद्घाटन से पूर्व कार्यशालाओं में चेन्नई के 32 प्रमुख अस्पताल भाग लेंगे। सीएएचओ अध्यक्ष डॉ विजय अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा की यह सम्मेलन स्वास्थ्य सेवा में गुणवत्ता और सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रयासरत है। सचिव डॉ लल्लू जोसफ ने इसे भारत में स्वास्थ्य सुधार का प्रभावी मंच बताया है।

टीवीके के भीतर अकेले चुनाव लड़ने या राजग का हिस्सा बनने को लेकर मंथन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के वरिष्ठ नेता सीटीआर निर्मल कुमार ने शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया। हालांकि, पार्टी से जुड़े कई सूत्रों ने बताया कि महासचिव एन. आनंद के नेतृत्व में अंदरुनी चर्चाएं चल रही हैं कि विजय की लोकप्रियता और अनुभवी दलों की ताकत' को एक साथ लाकर चुनावी तालमेल और शानदार जीत सुनिश्चत करने पर विचार किया जा रहा है। चर्चा के विषयों में से एक यह भी है कि क्या टीवीके, अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के साथ हाथ मिलाकर, पड़ोसी आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण के नेतृत्व वाले जनसेना-तेदेपा सरकार मॉडल को तमिलनाडु में दोहरा सकता है। पार्टी के कुछ वर्ग अकेले चुनाव लड़ने, एमजीआर की विरासत को आगे बढ़ाने और उन्हीं की तरह विजेता बनकर उभरने के लिए पुरजोर वकालत कर रहे हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन से पूछा गया कि क्या टीवीके के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया, जिससे सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार और गर्म हो गया। नैनार ने न तो इनकार किया और न ही सहमति जताई।

नागेंद्रन ने यहां पत्रकारों से कहा, आप गठबंधन को लेकर चिंतित हैं और मैं जनता की समस्याओं, विशेष रूप से राज्य में कानून-व्यवस्था की विफलता और महिलाओं की सुरक्षा की कमी को लेकर चिंतित हूं। टीवीके के संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने राजग के साथ गठबंधन की बातचीत की खबरों को अफवाह' बताते हुए कहा कि 13 मार्च को पार्टी के जिला सचिवों के साथ हुई डिजिटल बैठक गठबंधन की ताकत और संभावनाओं का आकलन करने के लिए थी।

जन्मदीक्षा कल्याणक एवं आदिनाथ जैन मंडल का वार्षिकोत्सव प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उज्ज्वल आध्यात्मिक वातावरण में आदिनाथ प्रभु के जन्म-दीक्षा कल्याणक तथा आदिनाथ जैन मंडल, चूलै के 48वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। यह कार्यक्रम चूलै स्थित तीर्थ स्वरूप श्री चंद्र प्रभु जिनालय में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी मणिप्रभाश्री म.सा. के पावन निश्रा में हुई। इस अवसर पर आयोजित प्रवचन में साध्वी भगवंतों ने श्रद्धालुओं को जिनवाणी का अमृतपान करवाते हुए धर्म, संयम और सदाचार का संदेश दिया। प्रवचन के दौरान गुरु भगवंतों ने सभी श्रद्धालुओं को आगामी धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पुण्य अर्जित करने की प्रेरणा दी। मंडल के अध्यक्ष डॉ. मनोज जैन ने साध्वीश्री की पावन निश्रा प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए बताया कि रविवार को संपूर्ण दिवस के लाभार्थी परिवार केवलचंद महावीर राजकुमार के निवास स्थान से भव्य जुलूस प्रारंभ होगा। यह जुलूस तीर्थ स्वरूप श्री चंद्र प्रभु जिनालय (पानच मंदिर) की चैत्र परिपाटी करते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंचेगा। इसके पश्चात मंदिर में सक्रस्तव अभिषेक तथा धर्मसभा का आयोजन होगा। धर्मसभा के दौरान चेन्नई के सभी तपस्वी, जिनका वर्षीतप पूर्ण होने जा रहा है। उनका मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति सम्मान किया जाएगा। साथ ही सकल संघ की साधर्मिक भक्ति का आयोजन भी होगा। कार्यक्रम के अगले चरण में चूलै स्थित दादावाड़ी में दादा गुरुदेव की पूजा जिनदत्त सुरी मंडल द्वारा पढ़ाई जायेगी। उसके बाद सामूहिक सामायिक तथा अंत में बाहर से पधारे कलाकारों द्वारा रंगारंग भक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। डॉ. मनोज जैन ने सकल संघ से निवेदन किया कि सभी श्रद्धालु इस पावन आयोजन में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें और संघ की शोभा बढ़ाएं।

अनाथ एवं वंचित बच्चों को दिया गया हवाई यात्रा का पहला अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास मेट्रो राउंड टेबल 95 और मद्रास मेट्रो राउंड लेडीज सर्किल 70 के द्वारा फ्लाइट ऑफ फैंटेसी 2026 का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत 25 अनाथ एवं वंचित बच्चों को पहली बार हवाई यात्रा का अवसर प्रदान किया गया। मद्रास मेट्रो राउंड टेबल एवं मद्रास मेट्रो राउंड लेडीज सर्कल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अनाथालय के बच्चों को चेन्नई से कोयंबटूर तक का एक दिवसीय शैक्षिक और मनोरंजन से भरपूर हवाई यात्रा करवाया गया हवाई यात्रा के उपरांत बच्चों को जीडी नायडू कार म्यूजियम और फॉरेस्ट म्यूजियम का सैर सपाटा करवाया गया इसके साथ ही अन्य इंटरैक्टिव अनुभव भी प्रदान किए गए। इस हवाई यात्रा में बच्चों के साथ मद्रास मेट्रो राउंड टेबल इंडिया और लेडिस सर्कल इंडिया के सदस्य पूरे दिन बच्चों की सेवा में समर्पित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्टी रोहित रामचंद्रन करण गोयल और अन्य पदाधिकारियों ने किया।

इस अवसर पर मद्रास मेट्रो राउंड टेबल के अध्यक्ष स्वरूप कृष्ण ने कहा कि हर बच्चे को असीमित सपने देखने का अवसर मिलना चाहिए उन्होंने उम्मीद जताई कि यह अनुभव बच्चों को संभावनाओं से भरे भविष्य में विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मद्रास मेट्रो राउंड लेडीज सर्कल की अध्यक्ष अनिंदिता ने कहा कि फ्लाइट ऑफ फैंटेसी का हिस्सा बनना बेहद सुखद है बच्चों के चेहरों पर दिख रही अपार खुशी और उत्साह को देखना सचमुच अनमोल है हम उनके लिए ऐसे अविस्मरणीय पल बनाने में मदद करके खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फ्लाइट ऑफ फैंटेसी, राउंड टेबल इंडिया और लेडीज सर्कल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से वे सामुदायिक सेवा और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेत्र, दांत व स्वास्थ्य जाँच शिविर में 250 से अधिक लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 14 मार्च को तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई द्वारा नेत्र, दाँत व स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन जयगोपाल गारोडिया विवेकानन्द विद्यालय परिसर में किया गया।

सुबह उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष अशोक केडिया ने उपस्थित जन समूह, डाक्टर व उनकी टीम का स्वागत किया। महामंत्री मोहनलाल बजाज ने तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के उद्देश्य व गतिविधियों की जानकारी दी। गणगौर की सह-चेयरपर्सन कंचन बिसानी ने कैंसर जागरूकता के बारे में बताया। सहमंत्री अजय नाहर ने शिविर की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

इस शिविर में लगभग 250 से अधिक लोगों ने नेत्र, दाँत व स्वास्थ्य संबंधी जाँच करवाकर लाभ लिया। करीब 50 महिलाओं ने सर्वाइकल स्क्रीनिंग की जाँच भी करवाई। शिविर में वी.एस. हास्पिटल्स, जैन मेडिकल, महावीर डायग्नोस्टिक सेंटर, राधात्री आई के डाक्टरों ने निशुल्क सेवाएँ दी। शिविर की सफलता में ज्ञानचंद कोठारी, प्रवीण छाजेड़, विजय गोयल, रविन्द्र गुप्ता, अशोक लखोटिया, संजीव अग्रवाल, अनुराग माहेश्वरी, निरंजन सोलंकी, विद्यालय प्राचार्य व कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति देकर सहयोग किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां शाकदीपीय ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी दीपेश देवरा ने बताया कि जयपुर समाज के कुलदीप व्यास, जो दैनिक भास्कर समाचार पत्र के राजनीतिक सम्पादक भी हैं, तीन दिवसीय चेन्नईयात्रा पर पहुंचे जहां उनका स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत शॉल ओढाकर चेन्नई समाज के चेयरमैन और शाकदीपीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर कुवेरा ने किया। श्री शाकदीपीय ब्राह्मण महासभा चेन्नई द्वारा एक सभा का आयोजन सूर्य भवन साहुकारपेट में किया गया। सूर्य भवन में उनके आगमन पर चेन्नई समाज के उप चेयरमैन सत्यनारायण भरतानी ने साफा एवं माला पहनाकर, चेन्नई समाज के अध्यक्ष अशोक माथुरिया ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया और उन्हें भवन सूर्य देव की एक तस्वीर भेंट की। अतिथि कुलदीप व्यास ने सभा को संबोधित किया और समाज कल्याण तथा आज के राष्ट्र निर्माण में मीडिया के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सभा में शाकदीपीय ब्राह्मण समाज चेन्नई के सदस्य भी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.